सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 78, नई दिल्ली,रविवार, 15 जनवरी 2023, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

● 03 कार से टक्कर मार बोनट पर बैठाकर आधा किमी. तक घसीटा
● 05 क्या थार को टक्कर दे पाएगी जिम्नी, जानिए दोनों की खूबियां
● 08 नितिन गडकरी को मिली जान से मारने की धमकी, दो बार आ चुका फोन

आज का सुविचार

जिन्दगी का हर एक छोटा हिस्सा ही, हमारी जिंदगी की सफलता का बड़ा हिस्सा होता है !

तत्कालीन परिवहन आयुक्त द्वारा जनहित में किए गए कार्य

संजय बाटला

● कोरोना काल में प्रवर्तन शाखा द्वारा बंद वाहनों की पार्किंग फीस माफ करी

● कोरोना काल में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के दिशा निर्देश को जारी कर सभी व्यवसायिक वाहनों के कागजातो की अवधि बड़ाने के आदेश पारित किए

● परिवहन विभाग में तकनीकी पदों पर गैर तकनीकी अधिकारियो की नियुक्ति कर जनता को तकनीकी अधिकारियों द्वारा की जाने वाली परेशानी से निजात दिलवाई वह भी माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों को दरकिनार कर.

● जनहित के लिए दिल्ली में चल रहे परिवहन कार्यालयों में से तीन कार्यालय बंद कर उस क्षेत्र की जनता को परिवहन विभाग के अधिकारियों / कर्मचारियों के शोषण से मुक्ति दिलाई,.

● दिल्ली की जनता को ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस प्राप्त करने की सेवा उपल्ब्ध करवाई

● दिल्ली की जनता को सुरक्षित और ज्ञान से भरपुर ड्राइविंग स्किल डेवलपमेंट के लिए अपडेट ऑनलाइन टैस्ट स्किल सैंटर पर टैस्ट प्रक्रिया शुरू कराई वो अलग बात

रही की टैस्ट सैंटर में लिए जाने वाले टैस्ट तरीको में से कोई भी टैस्ट सड़क सुरक्षा से जुड़ा नही

● दिल्ली में प्रदुषण मात्रा की दर वृद्धि पर पैट्रोल मानक 3और डीजल मानक 4 के सिर्फ चार पहियों के ऊपर रोक लगाने के आदेश पारित किए अन्य इसी श्रेणी के वाहनों पर पाबंदी लगा लगाई सिर्फ जनहित में,

● महिला सुरक्षा के प्रति व्यवसायिक सवारी वाहनों में सीसीटीवी और पैनिक बटन लगवा कर सिर्फ चलने के आदेश पारित किए और जबरदस्ती लगवाए पर सीसीटीवी और पैनिक बटन के लिए जिस कंट्रोल रूम का सबसे पहले होना जरूरी था वह आज तक नही शुरू करा,

● दिल्ली की सड़को पर लगातार डीटीसी की बसों में आग लगने की घटनाओं के बावजूद जनहित में ना तो इस पर कोई कार्यवाही की उल्टा जनहित में उम्र / किलोमीटर पूरी कर चुकी बसों को सड़को पर जनहित में चलवाने का श्रेय लिया

● उम्र पूरे हो चुके वाहनों में इलेक्ट्रिक किट लगाकर सड़को पर चलाए ऐसे जनहित में आदेश पारित कर जनता को खुशी प्रदान करी वह अलग बात रही की आज तक इलेक्ट्रिक किट लगाने वाला एक भी डीलर अधिकृत नही किया जिससे जनता इसका फायदा ना उठा ले

● जनहित में परिवहन से जुडे सभी कार्यों को फेस फ्री आनलाइन कार्यशैली से लागु करने वाले पूरे भारत देश में यह पहले परिवहन आयुक्त हैं

● दिल्ली में वाहनों पर लोन सेवा प्रदान करने वाले बैंको और एनबीएफसी कंपनियों को जनहित के लिए परिवहन विभाग से जुड़ना अनिवार्य करने वाले भारत देश में पहले परिवहन आयुक्त है वह अलग बात है की उनके द्वारा दिया जाने वाला लोन जिसके कारण एचपी वाहन आरसी पर चढ़ाई जा रही हैं के लिए लोन वाहन मालिक को मिला या नहीं इससे परिवहन आयुक्त / परिवहन विभाग को कोई सरोकार नहीं।

यह तत्काल परिवहन आयुक्त द्वारा जनहित में किए गए कुछ कार्य है लेकिन अभी जनहित के कार्यों की लिस्ट काफी लम्बी है।

जल्द प्रस्तुत करेंगे।

सभी देश वासियों को मेरा प्रणाम।

एनटीवी संवाददाता

1. दिल्ली सरकार द्वारा हमारा सभी कर्मचारियों भाइयों का दिल दुखाया जा रहा है। हम देश प्रदेश की जनता को बताना चाहते है।
दिल्ली परिवहन निगम (DTC),जल विभाग,सफाई कर्मचारी, स्वास्थ्य कर्मचारियों,पुलिस विभाग,होम गार्ड कर्मचारियों ,बिजली कर्मचारियों को जब पुरा देश,विदेश करोना (Covd-19)ओर दीपावली ,होली आदि हमारे हिन्दू धर्म के त्यौहारो के दिन आप सभी देश वासी जब अपने भाई, बेटो ,ओर अपनी पत्नी के साथ घरो मे बड़े चैन से रह रहे थे या रहते हो जब हमारी माता, पिता ,पत्नी ,बहन, हमे आप सभी देश वासीयो को किसी प्रकार से परिवहन सेवा, जल,थल,बिजली,सफाई,स्वास्थ्य सेवा से वंचित ना रहना पड़े इस लिये व अपने कलेजे के टुकडे को डयूटी के लिए भेज देती है।ओर करोना Covd-19 काल मे भी हमने अपनी व अपने परिवार की जान की प्रवाह न करते हुये। आप सभी देश वासियों की सेवा की व अपनी डयूटी को डयूटी समझा ।
लेकिन सरकार हमें सभी 24 घंटे सेवा देने वाले इन सभी विभागो के Contact कर्मचारियों को हमारे ही विभागो के प्रमोशन अधिकारी व सरकार अपना गुलाम समझती है। ये हाल अकेली दिल्ली हरियाणा का नही है ये पूरे भारत देश का है। इसलिये पूरे देश वासियों से प्रार्थना है।इन सभी कर्मचारियों भाइयों मे किसी का भाई,भाभी,बेटा ,बेटी, पति, पत्नी, चाचा, चाची, ताऊ, ताई, मामा, मामी, बुआ, फुफा, बहन,जीजा,मम्मी,पापा सभी आपका ही परिवार काम करता है। आप सभी देश वासियों से प्रार्थना है कि आप अपने लिए आज तक कुछ किया हो या ना लेकिन अपने जानकारो के लिए इसे सभी ग्रूप मे व सभी देश वासीयों तक भेजे। जिससे हमारी मांगे पुरी हो सके।
1. सभी विभागो के Contact कर्मचारियों को पक्का किया जाऐ
2.हिन्दू धर्म के त्यौहारो पर डयूटी देने वाले कर्मचारियों को दुगुना वेतन दिया जाये।
3. 24घण्टें सेवा देने वाले इन सभी विभागो के कर्मचारीयो को डयूटी के दौरान मृत्यु होने पर शहीद का दर्जा दिया जाये व परिवार को आर्थिक सहायता के लिए 1करोड़ रुपये दिये जाये।
4. इन सभी कर्मचारियों को साल मे एक साथ 7दिन की छुट्टी व धार्मिक टूर पर परिवार के साथ जाने का खर्च दिया जाये।
ये सभी संविधा कुछ भी नही है।इससे कई गुणा ज्यादा संविधा एक अनपढ़ नेता जिसको हम चुनते है ।और वही नेता फिर हमारा कुछ नही करते।ओर बात बहुत बड़ी बड़ी करते है।
इसलिए वर्ष 2024 मे होने वाले आगामी चुनाव मे सभी देश वासियों से प्रार्थना है कि नोटों का बटन दबाकर सरकार को ये दिखा दो जो ये नेता हम सभी कर्मचारियों के भविष्य को खराब कर रहे है ।हम सभी देश वासी भी नोटो का बटन दबाकर हम सभी इनका भी भविष्य खराब कर देंगे जिससे इनकी हार तो होगी ही ओर साथ मे ये आगे चल कर कभी एलेक्शन का फार्म तक नही भर सकेंगे।अगर कोई गलती हुई हो तो माफ करना।

आजाद देश के आजाद नागरिक।
आपका अपना भाई व साथी
जयदीप कौशिक।
।।धन्यवाद।।

इनसाइड

आईएसबीटी के पास बनेगा 300 बेड का स्थायी रैन बसेरा

अयोध्या। राम की नगरी में पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। स्नान पर्वों पर बहुत से श्रद्धालु ऐसे आते हैं, जिनके पास रुकने व ठहरने के लिए पैसे तक नहीं होते हैं। इन यात्रियों को शासन ने बड़ी राहत दी है। ऐसे श्रद्धालुओं व असहायों के लिए इंटरस्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के पास 300 बेड का आश्रय स्थल बनने जा रहा है। परिवहन निगम का नया अन्तरराज्यीय बस अड्डा अयोध्या में मांझा बरहटा के समीप बना है। यहीं पर इस रैन बसेरे के लिए जमीन आवंटित हुई थी। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए अयोध्या विकास प्राधिकरण ने यहां पर 300 बेड का रैन बसेरा बनाए जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। जिसकी लागत 17 करोड़ रुपये आंकी गई थी। अब शासन ने एडीए के इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने बताया कि शासन ने 17 करोड़ का बजट पास कर दिया है। जमीन पहले से ही तय है, अब जल्द ही टेंडर आदि करवाकर निर्माण प्रारंभ करवा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका संचालन किसी संस्था के माध्यम से करवाया जाएगा। ताकि इसके रखरखाव का खर्च कम से कम आए।

छितकुल में 15 सेंटीमीटर बर्फबारी, वाहनों की आवाजाही ठप

सांगला (किन्नौर)। किन्नौर जिले में देर शाम से ऊंची चोटियों में बर्फ बर्फबारी होने से शीत लकर का प्रकोप बढ़ गया है। छितकुल में शुक्रवार रात करीब 15 सेंटीमीटर बर्फबारी रिकॉर्ड की गई। इस वजह से छितकुल के लिए वाहनों की आवाजाही दूसरे दिन भी बंद रही। हालांकि किसान बागवान बर्फबारी होने से गदगद हैं लेकिन सड़क अवरुद्ध होने से उन्हें दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा है। छितकुल के साथ ही रक्षम सांगला, नाको, आसरंग, लिप्पा, नेसंग, कुन्नू चारंग, रूश्कलंग और नेंसग सहित अन्य क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई है। शनिवार को पर्यटन स्थल कल्पा का अधिकतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान -11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भारत में कोहरे के कारण गई 13 हजार से ज्यादा लोगों की जान! उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा मौतें- रिपोर्ट

एनटीवी संवाददाता

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने हाल ही में 2021-22 के लिए अपनी रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है कि कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों में 13,372 लोगों ने अपनी जान गंवा दी।

वहीं, कुछ क्षेत्र ऐसे भी रहे जिनमें कोहरे के कारण एक भी व्यक्ति की जान नहीं गई। इनमें गोवा, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है भारत में हर साल 45 लाख सड़क हादसे होते हैं। इनमें लगभग 15 लाख लोग मारे जाते हैं। मरने वालों में 9% की संख्या कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों के लिए बताई गई है।

नई दिल्ली। उत्तर भारत में इस वक्त सर्दी का भयंकर प्रकोप देखा जा रहा है जिसके कारण रोज घना कोहरा भी होता है। यह कोहरा हर साल हजारों की संख्या में लोगों की जान जाने का कारण बनता है। दरअसल कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों की संख्या में लोग मौत का शिकार हो जाते हैं। केंद्रीय सरकार के परिवहन मंत्रालय द्वारा एक ताजा रिपोर्ट जारी की गई है, जिसमें कहा गया है कि 2021 में कोहरे के कारण हुए हादसों में 13,372 लोगों की जानें गईं। यहां पर सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में हुईं बताई गई हैं। इसके अलावा इस रिपोर्ट में और क्या जानकारी दी गई, हम आपको बताने जा रहे हैं।
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने हाल ही में 2021 के लिए अपनी रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है कि कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों में 13,372 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। यह रिपोर्ट रोड एक्सीडेंट्स इन इंडिया 2021 के नाम से जारी की गई है। साथ ही इस तरह के हादसों में 25,360 लोग घायल हुए बताए गए हैं। मौत का आंकड़ा सबसे ऊपर उत्तरी भारत के राज्य उत्तर प्रदेश में पाया गया है जिसमें अकेले यूपी में 3782 लोगों की मौत का कारण कोहरा बना। उसके बाद बिहार में इस तरह के हादसों में 1800 लोगों की मौत हुई जो कि यूपी के बाद दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। मध्य प्रदेश में इस तरह के सड़क हादसों में 1233 लोगों की मौत हुई।
वहीं, कुछ क्षेत्र ऐसे भी रहे जिनमें कोहरे के कारण एक भी व्यक्ति की जान नहीं गई। इनमें गोवा, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है भारत में हर साल 45 लाख सड़क हादसे होते हैं। इनमें लगभग 15 लाख लोग मारे जाते हैं। मरने वालों में 9% की संख्या कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों के लिए बताई गई है।
उत्तर प्रदेश में इस तरह की मौतों का आंकड़ा सबसे ज्यादा बताया गया है। इतना ही नहीं, अगर शहरों की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जान गंवाने वाले मामले भी यूपी के शहरों में ही सामने आए हैं। इनमें कानपुर (173), आगरा (108), प्रयागराज (97), गाजियाबाद (91) और लखनऊ (67), वाराणसी (56) का नाम शामिल है। बिहार की राजधानी पटना में 2021 में कोहरे के कारण 56 लोगों की मौत 2021 में हुई बताई गई है। साथ रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस तरह के हादसों को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करने की भी जरूरत है।

आई रेड ऐप पर दर्ज होगा दुर्घटनाओं का विवरण: प्रशिक्षित किये गये लोक निर्माण विभाग के अधिकारी

एनटीवी संवाददाता

बहराइच में सड़क सुरक्षा माह में दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सूचना विज्ञान केन्द्र में तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जिले स्तर पर होने वाली सभी दुर्घटनाओं का विवरण आई रेड एप के माध्यम से किस प्रकार भरा जाएगा।
दुर्घटनाओं से सम्बन्धित भरा हुआ विवरण ऑनलाइन आई-रेड ऐप पर प्रदर्शित होगा। प्रशिक्षण के दौरान सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित किये गये आई रेड ऐप के बारे में भी अधिकारियो को जानकारी दी गई। इसके अलावा यह भी बताया गया कि आई रेड ऐप पर भरा गया डाटा आईआईटी चेन्नई द्वारा विशलेषण किया जायेगा। विश्लेषण के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने के लिए कार्य योजना तैयार की जायेगी। अधिकारियों को दुर्घटनाओं का पूर्ण विवरण आई रेड ऐप पर भरकर दिखाया गया और भरे हुए डाटा का प्रिन्ट निकालकर भी दिखाया गया। अधिकारियों को यह भी सुझाव दिये गये कि त्रुटि रहित शत प्रतिशत डाटा ऐप पर फीड किया जाय। साथ ही ऐप का नियमित प्रयोग भी किया जाए। जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सके।

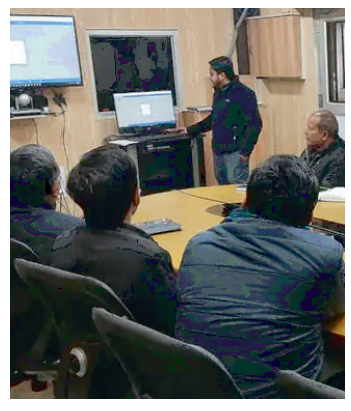

ये लोग रहे मौजूद

इस दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता अमर सिंह, प्रान्तीय खण्ड के सहायक अभियन्ता अंकित वर्मा, अनुराग, अवर अभियन्ता रजा खान सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारियों, कर्मचारियों को एनआईसी के संयुक्त निदेशक योगेश यादव और संदीप द्विवेदी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

महिलाएं अब दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसें चलाएंगी। डीटीसी में अब महिला चालकों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है।

दिल्ली में 13 महिला चालक संभालेंगी बसों के स्टेयरिंग
मिशन परिवर्तन का मिल रहा है महिलाओं को लाभ

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। महिलाएं अब दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसें चलाएंगी। डीटीसी में अब महिला चालकों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने राजघाट डिपो में प्रशिक्षित महिला चालकों को नियुक्ति पत्र सौंपा।
केजरीवाल सरकार ने सार्वजनिक बसों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए शुक्रवार को 13 नई महिला चालकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया।
महिलाएं अब दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसें चलाएंगी। डीटीसी में अब महिला चालकों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने राजघाट डिपो में प्रशिक्षित महिला चालकों को नियुक्ति पत्र सौंपा।
उन्होंने कहा कि सभी 34 महिला चालक पूरे भारत में सभी महिलाओं के लिए एक रोल मॉडल हैं। दिल्ली सरकार अपने परिवहन बेड़े में महिला बस चालकों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल करने के लिए लगातार प्रयासरत है। नियुक्ति पत्र हासिल करने वाली 13 में से 10 महिलाओं ने केजरीवाल सरकार की ''मिशन परिवर्तन'' पहल के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस मौके पर परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा, डीटीसी की प्रबंध निदेशक शिल्पा शिंदे, दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टीमॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डिम्ट्स) के प्रबंध निदेशक राजेश अग्रवाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मिशन परिवर्तन का मिल रहा है महिलाओं को लाभ

अप्रैल 2022 में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने मिशन परिवर्तन की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत अब तक 123 महिलाओं ने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है जबकि चौथे बैच को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ड्राइवर प्रशिक्षण लेने की इच्छुक महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। केजरीवाल सरकार ने पिछले साल जुलाई में पेशेवर टैक्सी ड्राइवर बनने के लिए इच्छुक महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक योजना भी शुरू की थी।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड
कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट
कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

हर दिन करें ये 3 योगासन, बिना जिम के मिलेगा स्लिम-ट्रिम लुक

एक्सरसाइज या योग करना सेहत के लिए फायदेमंद है. नियमित योग और एक्सरसाइज करने से कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है. इससे कई बीमारियों से निजात भी मिलती है. बिजी रहने की वजह से या घर से बाहर न जाने की आदत के चलते कई बार महिलाओं के लिए जिम या योग केंद्र जाना पॉसिबल नहीं हो पाता है. कई बार महिलाएं चाहते हुए भी जिम नहीं जा पाती हैं और अपनी सेहत के साथ समझौता कर लेती हैं. हालांकि अगर आप चाहें तो घर में रहकर भी कुछ खास योगासन की मदद ले सकती हैं. जो आपको स्वस्थ रखने में अच्छी भूमिका निभा सकते हैं.

यूपी के लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की ऑर्थोपेडिक सर्जरी डिपार्टमेंट की क्लीनिकल योग इंस्ट्रक्टर डॉ. वंदना अवस्थी से उन योगासनों के बारे में जानते हैं, जो आपको स्वस्थ रखने के साथ कई बीमारियों से राहत देने में मदद करेंगे. वैसे तो कोई भी आसन सुबह के समय करना बेहतर होता है लेकिन समय न मिलने पर जब भी करें तो खाना खाने के बाद कम से कम दो घंटे का गैप जरूर रखें. इतना ही नहीं इन योगासनों को करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

चक्की चलनासन

इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर योगा मैट बिछाकर बैठ जायें. अपने दोनों पैरों को आगे की तरफ फैला कर मैक्सिमम गैप बनाएं. इस दौरान रीढ़ की हड्डी को सीधा रखे. अब हाथों को जमीन पर एकदम सामने की ओर सीधा रखकर उंगलियों को आपस में फंसा लें. फिर अपने हाथों को क्लॉक वाइज यानी दायीं से बायीं तरह गोल-गोल उसी तरह से घुमायें जैसे चक्की चलाई जाती है. इसके बाद विपरीत दिशा में यही प्रक्रिया दोहराएं. इस योगासन को शुरू में एक-दो मिनट करें फिर धीरे-धीरे समय को बढ़ाएं. इस योगासन से पीसीओडी की दिक्कत में राहत मिलती है. जिससे अनियमित मासिक धर्म धीरे-धीरे नियमित होने लगता है साथ ही दर्द और ऐंठन से भी राहत मिलती है. इतना ही नहीं ये मेंटल स्ट्रेस को कम करने और मोटापे से निजात दिलाने में भी मदद करता है.

तितली आसन

तितली आसन करने के लिए योगा मैट पर सूर्य की ओर मुख कर के आराम की मुद्रा में बैठें. फिर अपने दोनों पैरों को आगे की तरफ फैला कर इस तरह से मोड़ें जिससे दोनों पैरों के तलवे आपस में मिल जायें. अब दोनों हाथों से पैर के तलवों को अच्छी तरह से पकड़ लें.अब तितली की तरह अपने पैरों को हिलाएं. इस आसन को भी शुरू में एक-दो मिनट करें फिर अपनी कैपिसिटी के अनुसार धीरे-धीरे इसका समय बढ़ाएं. तितली आसन करने से भी पीसीओडी की दिक्कत से राहत मिलती है. साथ ही पीठ का दर्द और मसल्स स्ट्रेस भी दूर होता है. इतना ही नहीं इस आसन को तीन महीने की गर्भावस्था के बाद भी किया जा सकता है. ये आसन डिलीवरी को आसान बनाने में भी मदद करता है. नियमित रूप से तितली आसन करने से ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है.

दंडासन

दंडासन करने के लिए सबसे पहले जमीन पर बैठ जायें और पैरों को सामने की ओर फैला कर आपस में मिला लें. फिर दोनों हाथों को कंधों के बराबर अपनी जांघों के पास सीधा जमीन पर रखें.इस बीच रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखें. अब दोनों पैरों के पंजो को अपनी ओर खींचें, कुछ सेकेंड रोक कर रखें फिर ढीला छोड़ दें. इस प्रक्रिया को दस से पंद्रह बार अपने सामर्थ्य के अनुसार दोहराएं. इस आसन को किसी भी आयु और अवस्था की महिलाएं आसानी से कर सकती हैं. दंडासन करने से कंधों में खिंचाव की दिक्कत कम होती है. रीढ़ की हड्डी लचीली और मजबूत होती है, मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और पाचन शक्ति बढ़ती है।

शादी के बाद छूट जाए पुरानी यारी-दोस्ती, तो इस तरह करें री-कनेक्ट, जानें 5 बेहतरीन तरीके

शादी के बाद अक्सर महिलाएं अपने पुराने दोस्तों के सर्कल से दूर हो जाती हैं और सालों बाद उन्हें उनकी कमी महसूस होने लगती है. अगर आप थोड़ा प्रयास करें तो आपकी पुरानी दोस्ती फिर से कायम हो सकती है और आप शायद बेहतर साथी बन सकते हैं.

उम्र बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां बढ़ती जाती हैं और प्रायोरिटीज भी बदल जाती हैं. दूसरों की जिम्मेदारियों को निभाते निभाते अक्सर महिलाएं खुद की जरूरतों को नजरअंदाज कर देती हैं और अपने फ्रेंड सर्कल से भी दूर हो जाती हैं. महिलाओं के लिए अच्छी बात ये है कि उनकी समस्याओं और मजबूरी को सभी समझते हैं. ऐसे में अगर आप थोड़ा सा प्रयास करें तो पुराने दोस्त फिर से आपसे कनेक्ट हो सकते हैं. अगर आपने भी अपने दोस्तों को सालों से नहीं देखा या नहीं मिले हैं तो कुछ आसान तरीकों से उनसे री-कनेक्ट हो सकते हैं.

पुराने दोस्तों से इस तरह हो सकते हैं री-कनेक्ट

सोशल मीडिया को बनाएं सहारा- आज के दिन अधिकतर लोग सोशल मीडिया से जुड़े हैं. ऐसे में आप पुराने दोस्तों को सोशल मीडिया पर ढूंड सकते हैं और उनसे बातचीत शुरू कर सकते हैं.

टेक्स्ट करें- दोस्तों को अगर आप मैसेज करने में झिझक रही हैं तो ऐसा ना करें. आप उनका नंबर अरेंज करें और उन्हें टेक्स्ट करें.

म्यूचुअल दोस्तों के साथ मिलें- हो सकता है कि आपके पुराने दोस्तों का पता ना चले, लेकिन आप हार मानने की बजाय अपने म्यूचुअल दोस्तों के साथ मेल जोल शुरू करें. मुलाकात के दौरान आप अपने दोस्तों की जानकारी ले सकते हैं.

पहले आप बढ़ाएं हाथ- अगर किसी बात को लेकर आपस में मनमुटाव हुआ हो तो दोस्तों का इंतजार करने से अच्छा है कि आप खुद हाथ आगे बढ़ाएं और विचार में भेद और कंफ्यूजन को दूर करें.

यादों को करें शेयर- आप पुराने दोस्तों के साथ पुरानी फोटोज शेयर करें और कुछ अच्छी यादों की चर्चा करें. पुरानी यादें दवा की तरह काम करेंगी जो आपके बीच की दूरियों को आसानी से हील करेंगी.

कुछ सामान्य लक्षण जो 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में होते हैं कॉमन, आप भी दें ध्यान

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है. यदि इसका समय रहते इलाज शुरू ना किया जाए तो कई गंभीर मामलों में व्यक्ति की जान चली जाती है. बॉडी में ट्यूमर सेल्स की अनकंट्रोल्ड ग्रोथ सिर्फ एक बॉडी पार्ट के लिए नहीं, बल्कि पूरे शरीर के लिए खतरे की घंटी बन सकती है. कैंसर के कुछ ऐसे प्रकार हैं, जो सिर्फ महिलाओं को इनफेक्ट कर सकते हैं. ऐसे में महिलाओं में कैंसर की समस्या ज्यादा खतरनाक हो सकती है. ओवरीज, कोख या वेजाइना जैसे फीमेल रिप्रोडक्टिव पार्ट्स पर असर करने वाले ये गाइनेकोलॉजिकल कैंसर ढेरों बड़ी परेशानियों का कारण बन सकते हैं. सही समाधान के लिए सही समय पर बीमारी की पहचान कर, सही इलाज कराना जरूरी है. दवाइयों के साथ सही ट्रीटमेंट की मदद से इन परेशानियों से निजात पाई जा सकती है. आइए जानते हैं 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में कौन से आम लक्षण देखे जाते हैं :

एमडैंडरसन डॉट ओआरजी के अनुसार, वुलवर कैंसर के अलावा सभी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में ब्लीडिंग की समस्या देखने को मिलती है. वेजाइना से किसी भी तरह के डिस्चार्ज या ब्लीडिंग को नजरंदाज करना घातक साबित हो सकता है. पेट दर्द के साथ ही कमर दर्द भी किसी बड़े खतरे की दस्तक हो सकती है. ऐसे में सही समय डॉक्टर से परामर्श अवश्य ले लें.

-बार-बार पेशाब आना किसी गंभीर स्थिति की ओर इशारा हो सकता है. लगातार टॉयलेट जाने की शिकायत कैंसर के साथ ही अन्य परेशानियों का भी लक्षण हो सकती है. ऐसे में जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह करा लें.

-वेजाइना या दूसरे रिप्रोडक्टिव पार्ट्स में खुजली, जलन और ज्यादा सेंसटिविटी कैंसर का लक्षण हो सकती है. इन्फेक्शन में भी ऐसे लक्षण देखे जा सकते हैं, ऐसे में इन्हें इग्नोर करने का रिस्क लेने से बचें.

-सेक्स के दौरान या बाद में ज्यादा असामान्य दर्द महसूस होने पर जरूरी टेस्ट अवश्य करा लें. ये दर्द गाइनेकोलॉजिकल कैंसर के शुरुवाती लक्षणों में शुमार है.

-पेडू या पेल्विक एरिया में दर्द होना कैंसर की ओर संकेत करता है. बार-बार इस तरह का दर्द होने पर डॉक्टर को अवश्य दिखा लें नहीं तो समस्या के गंभीर होने की संभावना बढ़ जाती है.

-खाना खाने में असहजता, पेट जल्दी भर जाना, भूख कम लगना या सूजन भी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर का संकेत हो सकता है. ऐसे में घबराने की जगह सही उपचार का ख्याल करें.

महिलाएं विंटर में करें इनसे परहेज, रहेंगी फिट

सर्दी के मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए ज्यादातर महिलाएं हेल्दी डाइट चार्ट फॉलो करती हैं. डाइटिशियन भी सर्दियों में घी, ड्राइ फ्रूट्स, गुड़, अदरक, शकरकंद, गाजर, सरसों का साग और केसर जैसी चीजों को डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं. सर्दियों के दौरान ज्यादातर महिलाएं आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक्स जैसी ठंडी चीजें भी खाना पसंद करती हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि सर्दियों में ठंडी चीजें खाने से सेहत को कई नुकसान हो सकते हैं. आइए आपको बताते हैं सर्दी में ठंडी चीजों का सेवन करने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में.

पेट की प्रॉब्लम्स

हेल्थशॉट्स के अनुसार सर्दियों में ठंडा खाना खाने से आपको पेट से जुड़ी कई समस्याएं देखने को मिल सकती हैं. मसलन सर्दियों में ठंडी चीजों का सेवन करने से आपको पेट में सूजन, ऐंठन, पेट फूलना, थकान, बॉडी में शॉक महसूस होना और पाचन तंत्र वीक होने जैसी परेशानियां हो सकती हैं.

शरीर का तापमान कम होना

सर्दी के मौसम में बाहर का तापमान सामान्य से काफी नीचे चला जाता है. ऐसे में ठंडी चीजें खाने से आपकी बॉडी का टेंप्रेचर भी कम होने लगता है. जिससे ब्लड सर्कुलेशन पर बुरा असर पड़ता है और आपका खून जम भी सकता है.

गले में हो सकता है इंफेक्शन

जानकारों के अनुसार सर्दियों में ठंडा खाना खाने से आपको गले में थ्रोट इंफेक्शन हो सकता है. खासकर सर्दी के मौसम में कोल्ड कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स और ठंडे जूस पीने से आपको गले में खुजली, जलन और इरिटेशन होने लगती है. ऐसे में गले का खास ख्याल रखने के लिए आप गर्म दूध, सूप, नट्स, मसाले और हर्ब्स का सेवन कर सकते हैं.

जुकाम होने का खतरा

सर्दी के मौसम में बॉडी काफी सेंसटिव हो जाती है. ऐसे में ठंडी चीजों का सेवन करना बीमारी को बुलावा देने जैसा होता है. बता दें कि सर्दियों के दौरान ठंडी चीजें खाने से आप खांसी, जुकाम, बुखार और सीजनल फ्लू जैसी बीमारियों के शिकार हो सकते हैं.

पाचन पर पड़ेगा बुरा असर

सर्दियों में ठंडी चीजों का सेवन पाचन तंत्र को भी खासा प्रभावित करता है. दरअसल ठंडी चीजें काफी हैवी होती है. जिसे पचाने में आपको काफी दिक्कत आ सकती है. वहीं पाचन तंत्र कमजोर होने से आपका इम्यून सिस्टम भी वीक हो सकता है.

ब्रेस्ट कैंसर को मैनेज करने के लिए अपनाएं यह 4 इफेक्टिव टिप्स

ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं और पुरुषों दोनों को हो सकता है, लेकिन महिलाओं में इसकी संभावना अधिक रहती है. इसे मैनेज करने के लिए नियमित रूप से ब्रेस्ट की जांच, मैमोग्राम्स कराने के साथ ही हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना भी जरूरी है.

ब्रेस्ट कैंसर एक तरह का कैंसर है, जिसकी शुरुआत ब्रेस्ट में होती है. यह कैंसर एक या दोनों ब्रेस्ट्स में हो सकता है. यह कैंसर तब होता है, जब ब्रेस्ट में सेल्स अनकंट्रोल्ड तरीके से ग्रो और डिवाइड होना शुरू हो जाते हैं, जिससे ट्यूमर बनने की शुरुआत होती है. ब्रेस्ट कैंसर के लक्षणों में ब्रेस्ट में लम्प बनना, ब्रेस्ट साइज में बदलाव आदि शामिल हैं. अगर इस समस्या का शुरुआत में ही निदान हो जाए, तो इसका उपचार संभव है. यही नहीं, इसके बाद रोगी सामान्य जीवन भी जी सकता है. ब्रेस्ट कैंसर के लक्षणों को पहचानें और तुरंत निदान कराएं. ब्रेस्ट कैंसर को मैनेज करने के लिए इन इफेक्टिव टिप्स को भी अपनाया जा सकता है.

ब्रेस्ट कैंसर को मैनेज करने के इफेक्टिव टिप्स

मायो क्लिनिक के अनुसार, स्किन कैंसर के बाद ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में डाइग्नोज होने वाला सबसे सामान्य कैंसर है. ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं और पुरुषों दोनों को हो सकता है लेकिन महिलाओं में यह अधिक सामान्य है. ब्रेस्ट कैंसर को मैनेज करने के इफेक्टिव टिप्स इस प्रकार हैं:

नियमित मैमोग्राम्स कराएं- ब्रेस्ट कैंसर को मैनेज करने के लिए चालीस साल से अधिक के उम्र की महिलाओं को हर साल इस टेस्ट की सलाह दी जाती है, ताकि इसका निदान जल्दी हो सके.

ब्रेस्ट को एग्जामिन करें- बीस साल की उम्र के बाद हर महिलांए ब्रेस्ट एग्जामिन करनी चाहिए. इससे आप अपनी ब्रेस्ट की बनावट और अहसास से परिचित हो जाएंगी और किसी भी तरह के परिवर्तनों के प्रति अधिक सतर्क रहेंगी।

डॉक्टर से सलाह लें- बीस की उम्र के बाद हर तीन साल बाद डॉक्टर से ब्रेस्ट एग्जामिन कराएं और चालीस के बाद हर साल यह कराना जरूरी है. क्लिनिक ब्रेस्ट एग्जाम से लम्पस को डिटेक्ट किया जा सकता है.

लाइफस्टाइल फैक्टर्स- लाइफस्टाइल फैक्टर्स भी ब्रेस्ट कैंसर को प्रभावित करते हैं. जैसे जो लोग मोटापे से पीड़ति होते हैं उनमें ब्रेस्ट कैंसर के डेवलप होने की संभावना अधिक रहती है. ऐसे में वजन सही रखने के लिए सही आहार लें और नियमित व्यायाम करें.

इनसाइड

दिल्ली HC ने NIA से मंजर इमाम की बेल पर मांगा जवाब, 9 साल से जेल में है इंडियन मुजाहिदीन का सदस्य

दिल्ली हाईकोर्ट ने इंडियन मुजाहिदीन के सदस्य मंजर इमाम की जमानत याचिका पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी से जवाब मांगा है। इमाम 9 साल से अधिक समय से जेल में बंद है। उस पर अभी आरोप तय किए जाने बाकी हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने इंडियन मुजाहिद्दीन के एक कथित सदस्य मंजर इमाम की जमानत याचिका पर NIA से जवाब मांगा है। वह आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत दर्ज एक मामले में नौ साल से अधिक समय से जेल में है।

ट्रायल में देरी के आधार पर मांगी बेल

ट्रायल में देरी के साथ याचिका में मामले की योग्यता के आधार पर जमानत भी मांगी गई है। एनआईए ने अगस्त 2013 में इमाम के खिलाफ मामला दायर किया था जिसमें कहा गया था कि उसने और अन्य लोगों ने आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची और देश में महत्वपूर्ण स्थानों को निशाना बनाने की योजना बनाई। हालांकि मामले में आरोप तय किए जाने बाकी हैं। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने उनकी याचिका पर नोटिस जारी किया। पीठ ने मामले को मार्च में अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। पिछले साल अक्टूबर में एक जज ने अनुरोध किया कि उसकी जमानत अर्जी पर विशेष अदालत द्वारा 75 दिनों के भीतर सुनवाई और फैसला किया जाए। 10 जनवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल ने इमाम की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। जस्टिस मृदुल ने कहा कि उस समय मैं सरकार का वरिष्ठ वकील था, इसलिए मैं इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकता।

ट्रायल में देरी को जमानत का नहीं बना सकते हैं आधार

इमाम के वकील ने कहा कि अभियुक्त नौ साल तक हिरासत में रहा था और उसके खिलाफ आरोप फिर से दायर किए गए थे। 28 नवंबर 2022 को एडीशनल सेशन जज शैलेंद्र मलिक ने फैसला सुनाया कि इस मामले में ट्रायल में देरी को जमानत देने के बचाव के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने इमाम के ज़मानत के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। हालांकि कोर्ट ने कहा था कि इस निष्कर्ष के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि उसका आरोप सही था, क्योंकि मुकदमे में इतना समय लग रहा था, इसलिए इमाम ने ज़मानत मांगी थी।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम! पुलिस को किराए के घर से मिले दो हैंड ग्रेनेड

नईदिल्ली: दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कलस्वा डेयरी इलाके में किराए के मकान से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। पुलिस ने कुछ ही दिनों पहले दो संदिग्ध लोगों को आतंकी संगठन से जुड़े होने के शक में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि उनके आवास से खून के निशान भी मिले हैं। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने आतंकवादी संगठनों से संबंधों और जघन्य अपराधों में शामिल होने के आरोप में जगजीत सिंह उर्फ जग्गा (29) और नौशाद को गुरुवार को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा ने बताया कि आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।नलवा ने कहा, 'जांच के दौरान हुए खुलासों के बाद दोनों आरोपी पुलिस दल को भलस्वा डेरी स्थित श्रद्धानंद कॉलोनी में अपने किराए के मकान में लेकर गए, जहां से दो हथगोले बरामद किए गए।'

कार से टक्कर मार बोनट पर बैठाकर आधा किमी. तक युवक को घसीटा, वीडियो वायरल

पुलिस ने बताया कि मामला रोड रेज का है। चालक के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है

एनटीवी संवाददाता

राजधानी दिल्ली में कार चालक ने एक व्यवक्ति को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद चालक ने व्यक्ति को कार के बोनट पर बैठाकर काफी दूर तक ले गया। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कार चालक ने एक व्यवक्ति को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद चालक ने व्यक्ति को कार के बोनट पर बैठाकर काफी दूर तक ले गया। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है, और कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जिससे पूछताछ जारी है।

पुलिस के अनुसार मामला दिल्ली के राजौरी गार्डन का है। कार चालक ने एक व्यवक्ति को कार से टक्कर मार दी और इसके बाद करीब आधा किमी तक उसे कार के बोनट पर बैठाकर ले गया। पुलिस ने बताया कि मामला रोड रेज का है। चालक के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

इसके तहत दर्ज किया गया मामला

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रोड रेज का मामला है। तेजी से गाड़ी चलाना, स्वेच्छा से चोट पहुंचाने की सजा, गलत संयम की सजा और गैर इरादतन हत्या का प्रयास के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) घनश्याम बंसल ने कहा कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और उससे पूछताछ की जा रही है।

सरकारी अस्पतालों में खाली पदों को जल्द भरा जाए, जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली HC की टिप्पणी

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों मे डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टॉफ के खाली पदों को भरने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अस्पतालों में खाली पदों को जल्द भरा जाएं।

नई दिल्ली। सरकार सरकारी यह सुनिश्चित करेगी कि अस्पतालों में खाली पदों को जल्द भरा जाएं। यह टिप्पणी दिल्ली हाईकोर्ट ने की है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 9 जनवरी को अस्पतालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति के संबंध में केंद्र और दिल्ली सरकार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर अपनी प्रतिक्रिया दाखिल करने के लिए और समय देते हुए कहा है।

कोर्ट ने सरकार को दिया समय

जस्टिस सतीश चंदर शर्मा और जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की खंडपीठ ने इस सप्ताह की शुरुआत में केंद्र और एनसीटी दिल्ली सरकार को चार और सप्ताह का समय दिया और मामले को 12 अप्रैल, 2023 के लिए सूचीबद्ध किया। बेंच ने कहा, ₹सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अस्पतालों में खाली पड़े पदों को जल्द से जल्द भरा जाए।₹ बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने पहले ही केंद्र, दिल्ली सरकार सहित अन्य लोगों को सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टॉफ की नियुक्ति करने का निर्देश दिया था।

स्टॉफ की कमी से लोगों को दिक्कत

याचिकाकर्ता डॉ नंद किशोर गर्ग ने वकील शशांक देव सुधी के माध्यम से कहा कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी हो गई है, जो हर बीतते दिन के साथ बिगड़ती जा रही है। बुनियादी ढांचे सहित डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी के कारण निर्दोष और गरीब रोगियों को उनके इलाज से वंचित किया जा रहा है।

निजी अस्पताल दुर्दशा का उठा रहे फायदा

डॉक्टरों या पैरामेडिकल स्टाफ की अनुपलब्धता के कारण आम लोग पीड़ित हैं। याचिका में कहा गया है कि निजी अस्पताल असहाय मरीजों की दुर्दशा का अवैध फायदा उठा रहे हैं। ऐसे कई मामले हैं जहां सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में बुनियादी ढांचे की कमी का हवाला देकर मरीज को निजी अस्पतालों में रेफर कर रहे हैं।

जाहिर है कि सरकारी अस्पताल कोरोना वायरस की हालिया महामारी से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। याचिका में कहा गया है कि रोगियों को बेहतर चिकित्सा सेवाओं में सुधार के लिए समग्र ढांचागत सुधार आवश्यक है।

2 साल के बच्चे की बर्थडे पार्टी के जश्न में फायरिंग, शख्स के चेहरे पर लगी गोली

एनटीवी संवाददाता

दिल्ली के जोनापुर गांव में 2 साल के बच्चे की पार्टी में पूरा मोहल्ला इकट्ठा था और जश्न मनाया जा रहा था। इस बीच कुछ लोग शराब पीकर नाच-गाना भी कर रहे थे। इस बीच जश्न के दौरान एक व्यक्ति ने फायरिंग की जिसकी गोली एक व्यक्ति के चेहरे पर लगी। घायल का इलाज एम्स में हो रहा है।

नई दिल्ली: दिल्ली में जन्मदिन की पार्टी में जश्न के दौरान फायरिंग के दौरान 37 वर्षीय एक व्यक्ति के चेहरे पर गोली लगी। पुलिस के मुताबिक घटना जोनापुर गांव में शुक्रवार रात की है। प्रमोद के रूप में पहचाने गए घायल व्यक्ति का एम्स में इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने जोनापुर निवासी आरोपी रणपाल उर्फ शूटर को भी गिरफ्तार कर लिया है, जो पहले हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित चार आपराधिक मामलों में शामिल पाया गया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण), चंदन चौधरी के अनुसार, फतेहपुर बेरी पुलिस को शुक्रवार की रात गांव में फायरिंग की घटना के बारे में रात 8.24 बजे एक पीसीआर कॉल मिली। डीसीपी ने बताया, मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि दो साल के बच्चे का जन्मदिन मनाने के लिए पार्टी थी और पूरा मोहल्ला उसके घर पर इकट्ठा हो गया था। छत पर कुछ लोग शराब पी रहे थे। रणपाल ने जश्न में फायरिंग कर दी जिसमें प्रमोद के दाहिने गाल में गोली लग गई। अधिकारी ने बताया, घायल को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया और मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) एकत्र किया गया। घायलों के बयान पर आईपीसी और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

नर्सरी एडमिशन को लेकर पैरेंट्स की टेंशन बढ़ी, लिस्ट में एक ही पॉइंट पर ढेरों बच्चे, सीटें हैं कम

दिल्ली में नर्सरी एडमिशन के लिए एक-एक सीट पर कम से कम 10 से 20 बच्चों के आवेदन हैं। ऐसे में प्राइवेट स्कूल एडमिशन के लिए ड्रॉ सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं और पॉइंट के हिसाब से अलग-अलग कैटिगरी में ड्रॉ निकाले जो हैं। बता दें कि दिल्ली के 1700 से ज्यादा प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी एडमिशन की लिस्ट जारी होने वाली है।

नई दिल्ली: प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी एडमिशन के लिए कई स्कूलों को ड्रॉ का सहारा लेना पड़ेगा। कई स्कूलों में एक ही पॉइंट पर कई बच्चे हैं और सीटों के मुकाबले बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। प्राइवेट स्कूलों ने नर्सरी एडमिशन के लिए बच्चों को मिले मार्क्स की लिस्ट शुक्रवार को जारी कर दी है।

अगर पैरेंट्स को 100 पॉइंट एडमिशन क्राइटेरिया पर बच्चे को मिले पॉइंट पर कोई उलझन या शिकायत है, तो वो स्कूल से संपर्क कर सकते हैं। अकैडमिक सेशन 2023-24 के लिए शिक्षा निदेशालय ने 2 दिसंबर से 23 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया रखी थी। 20 जनवरी को सभी स्कूल पहली एडमिशन लिस्ट और वेटिंग लिस्ट जारी करेंगे।

शिक्षा निदेशालय ने सभी स्कूल से कहा है कि स्कूल में पैरेंट्स की मौजूदगी में फिजिकल ड्रॉ करवाया जाए। स्कूलों को ड्रॉ में जिन स्टूडेंट्स का नाम होगा, उन सबके पैरेंट्स को एडवांस में इसकी जानकारी देनी होगी। सभी पैरेंट्स को ड्रॉ के लिए बुलाना होगा और सभी स्टूडेंट्स के नाम की स्लिप दिखानी होगी। ड्रॉ की विडियोग्राफी जरूरी होगी और इसे रिकॉर्ड के लिए रखना होगा।

दिल्ली के 1700 से ज्यादा प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी के लिए एडमिशन होंगे। कई स्कूलों में एक-एक सीट पर 10 से 20 स्टूडेंट्स ने अप्लाई किया है। अब तक सभी स्कूलों ने मार्क्स लिस्ट जारी कर दी है और एक से मार्क्स वाले कई बच्चे हैं, जिनकी संख्या सीटों से ज्यादा है। मसलन, डीपीएस मथुरा रोड ने अपनी 130 सीटों के लिए 2074 स्टूडेंट्स की लिस्ट जारी की है, जिसमें 100 पॉइंट वाले 10 स्टूडेंट्स हैं, जिनका एडमिशन तय है। मगर इसके बाद के पॉइंट के लिए स्कूल को ड्रॉ निकालना होगा।

इसी तरह से बिड़ला विद्या निकेतन में 100, 90, 80 पॉइंट वाले स्टूडेंट्स से सीटें भरने के बाद 70 पॉइंट पर ड्रॉ होगा। स्कूल की प्रिंसिपल मीनाक्षी कुशवाहा ने बताया कि 70 पॉइंट वाले बहुत से स्टूडेंट्स हैं, इसलिए इन पॉइंट पर जितने भी स्टूडेंट्स हैं, उनके लिए ड्रॉ होगा। ड्रॉ में चुने गए स्टूडेंट्स की लिस्ट 19 जनवरी को वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। 20 जनवरी को आने वाली पहली लिस्ट पर सवाल या उलझन हो तो पैरेंट्स 21 से 30 जनवरी को स्कूल से संपर्क (लिखकर/ईमेल/बातचीत) कर सकते हैं। दूसरी लिस्ट 6 फरवरी को जारी होगी। इसके बाद भी जिन स्कूलों में सीटें खाली रहीं वे 1 मार्च को तीसरी एडमिशन लिस्ट निकालेंगे।

डिप्टी CM मनीष सिसोदिया के दफ्तर पर CBI का छापा, बोले- बच्चों की शिक्षा के लिए ईमानदारी से किया काम

एनटीवी संवाददाता

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के दफ्तर पर सीबीआई का छापा पड़ा है। इसकी जानकारी सबसे पहले मनीष सिसोदिया ने खुद ही दी है। मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करते हुए कहा कि सीबीआई का स्वागत है।

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर पर सीबीआई का छापा पड़ा है। इसकी जानकारी सबसे पहले मनीष सिसोदिया ने खुद दी है। मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करते हुए कई गंभीर आरोप लगाए है। सिसोदिया ने कहा कि उन्होंने ईमानदारी से दिल्ली के बच्चों के लिए शिक्षा का काम किया है।

मनीष सिसोदिया ने इस छापेमारी को लेकर कहा है कि सीबीआई का दफ्तर में स्वागत है। उन्होंने आगे लिखा कि सीबीआई उनके घर पर भी छापा मार चुकी है। उनके गांव भी पहुंच चुकी है। मनीष सिसोदिया ने लिखा की सीबीआई को उनके खिलाफ ना कुछ मिला है, ना कुछ मिलेगा। मनीष सिसोदिया ने कहा कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है। उन्होंने ईमानदारी से बच्चों की शिक्षा के लिए काम किया है।

बता दें कि दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कथित आबकारी घोटाले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। एजेंसी ने सिसोदिया समेत कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने इस मामले के संबंध में AAP नेता से कई घंटे पूछताछ की थी और उनके आधिकारिक आवास पर छापे मारे थे।

चुनाव में भी गूंजा था आबकारी घोटाले का मामला

हाल ही में हुए नगर निगम चुनाव में भी आबकारी घोटाले का मामला गूंजा था। इस दौरान भाजपा की ओर से कई मनीष सिसोदिया पर कई आरोप लगाए गए थे। मनीष सिसोदिया ने सबी आरोपों को सिरे से खारि किया था। भाजपा ने दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ भी हमला बोला था।

भाजपा के अलावा कांग्रेस की ओर से भी आम आदमी पार्टी पर कई आरोप लगाए गए थे। आबकारी नीति को लेकर दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में हलचल मची रही थी। चुनाव के बाद भी विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से इस मुद्दे पर आप के खिलाफ लगातार हमला बोला जा रहा है।

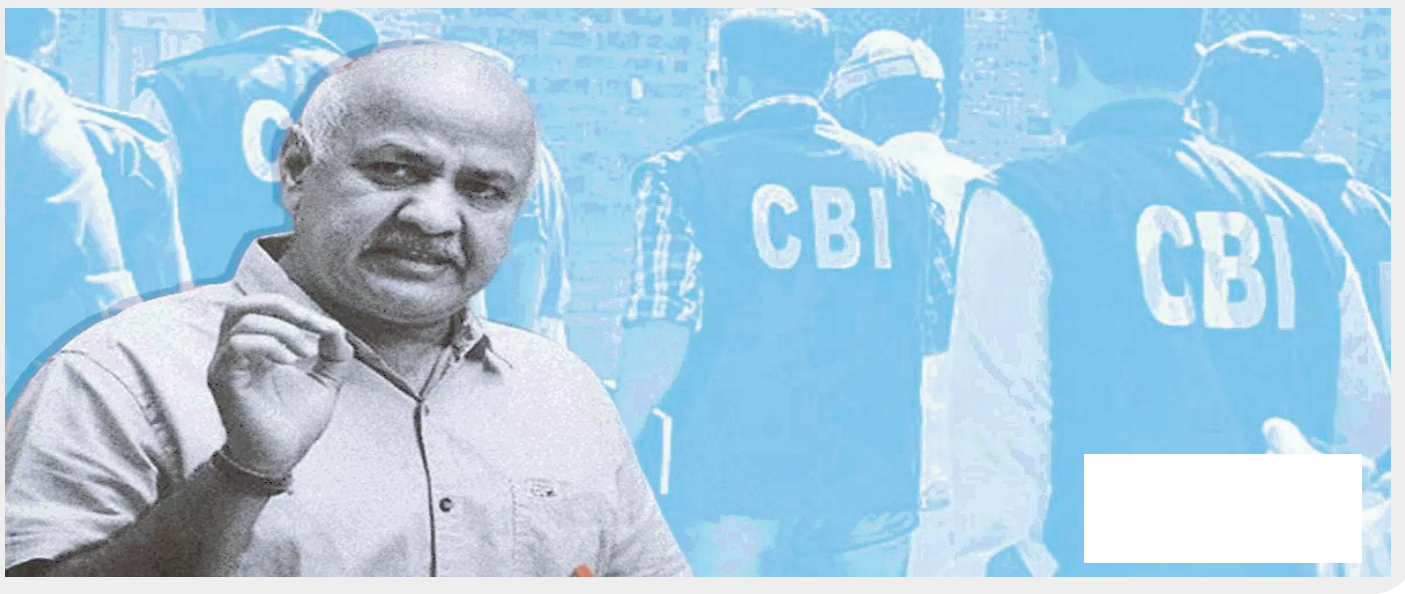

अभी तक नहीं हटा ट्विन टावर का मलबा, प्राधिकरण ने 45 दिन में हटाने का दिया निर्देश

क्टर-93 ए स्थित सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट सोसायटी में ट्विन टावर मलबे को 45 दिन में हटाने का निर्देश नोएडा प्राधिकरण ने एडफिश इंजीनियरिंग को दिया है। इसके बाद तीन दिन में वहां से सभी मशीनों को हटाया जाएगा। यह फैसला नोएडा प्राधिकरण में मंगलवार की बैठक के बाद लिया है

नोएडा। सेक्टर-93 ए स्थित सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट सोसायटी में ट्विन टावर मलबे को 45 दिन में हटाने का निर्देश नोएडा प्राधिकरण ने एडफिश इंजीनियरिंग को दिया है। इसके बाद तीन दिन में वहां से सभी मशीनों को हटाया जाएगा। यह फैसला नोएडा प्राधिकरण में मंगलवार की बैठक के बाद लिया है, जिसमें केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) के विशेषज्ञ, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सोसायटी की दोनों एओए और एडफिश इंजीनियरिंग अधिकारियों शामिल हुए।

इस बैठक में हाल ही में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से सोसायटी में कराई गई कंपन और ध्वनि प्रदूषण की रिपोर्ट का परीक्षण कर सीबीआइआइ ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। बता दें कि सेक्टर-93 ए स्थित सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट सोसायटी में ट्विन टावर मलबे को हटाने में एडफिस इंजीनियरिंग कंपनी को दिक्कत आ रही है, क्योंकि उसे मलबे से सरिया निकाल कर चार करोड़ रुपये की रकम वसूल करनी है। जिसका सुपरटेक प्रबंधन के साथ अनुबंध किया गया था, ट्विन टावर ध्वस्तीकरण में सुप्रीम कोर्ट में यह अनुबंध लगाया गया है। हालांकि 28 अगस्त को ट्विन टावर ध्वस्त होने के बाद मलबा हटाने के लिए एडफिस इंजीनियरिंग को तीन माह का समय दिया गया था, लेकिन अनुबंध शर्त में नौ मीटर चौड़ी सड़क को खोद कर बनाना भी शामिल रहा, जिससे कंपनी को मलबे के नीचे दबी जमीन को खोदना पड़ रहा है, सरिया को निकाल कर पूरा मलबा निस्तारित किया जा सके। ऐसे में जमीन की खोदाई व सरिया निकालने के लिए की जा रही कटाई से सोसायटी के निवासी परेशान है, मामले पर कई बार प्राधिकरण से लेकर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से शिकायत की। शिकायत पर बाहर से कंपनी को बुलाकर कंपन और ध्वनि की जांच कराई गई, जिसकी रिपोर्ट को केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान ने परीक्षण के लिए दिया गया था। परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद मंगलवार को नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर बैठक हुई, जिसमें रिपोर्ट का प्रस्तुत कर विशेषज्ञों ने अपनी राय दी। जिसके बाद एडफिस इंजीनियरिंग को मलबा निस्तारित करने और सड़क का काम पूरा करने के लिए 45 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। जिसके आदेश मुख्य कार्यपालक अधिकारी की ओर से जारी कर दिया गया है।

ट्रक ने बुलेट में मारी टक्कर, हादसे में बीटेक छात्र की मौत; पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया

एनटीवी न्यूज

ग्रेटर नोएडा में परी चौक की तरफ जा रहे एक बुलेट मोटर साइकिल को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे बीटेक थर्ड ईयर के एक छात्र की मौत हो गई। वहीं एक छात्र दुर्घटना में घायल हो गया है।

नोएडा। शनिवार को ग्रेटर नोएडा में एक एक्सीडेंट में एक बीटेक छात्र की मौत हो गई है। बता दें कि थाना बीटा-2 क्षेत्र के अंतर्गत सूरजपुर से परी चौक की तरफ जा रहे ट्रक आईसर कैंटर के द्वारा अल्फा वन गेट नंबर 1 के सामने तुगलपुर से आकर यू-टर्न लेकर परी चौक की तरफ जाने वाले बुलेट मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी।

घायल कैलाश अस्पताल में भर्ती

मौके पर विकास पुत्र नागेश्वर सिंह निवासी कुरैया जिला सारण बिहार उम्र करीब 24 वर्ष की मृत्यु हो गई। घायल शुभम साहनी पुत्र अशोक साहनी निवासी छतरपुर दिल्ली को बेहोशी हालत में कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हिरासत में ट्रक चालक

आरोपित ट्रक चालक हिरासत में है। घायल के स्वजन मौके पर हैं। मृतक के स्वजन को सूचना दे दी गई है। घायल और मृतक दोनों बीटेक थर्ड ईयर के छात्र हैं।

आठ सालों से हत्या के मामले में वांछित गैंगस्टर चढ़ा यूपी USTF के हत्थे, तमंचा और कारतूस बरामद

स्पेशल टास्क फोर्स (STF) उत्तर प्रदेश की नोएडा इकाई ने दिल्ली में आठ सालों से हत्या के मामले में वांछित 15 हजार के इनामी गैंगस्टर सरफराज को शुक्रवार रात साहिबाबाद से गिरफ्तार किया। उस पर गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की थी।

गाजियाबाद। स्पेशल टास्क फोर्स (STF), उत्तर प्रदेश की नोएडा इकाई ने दिल्ली में आठ सालों से हत्या के मामले में वांछित 15 हजार के इनामी गैंगस्टर सरफराज को शुक्रवार रात साहिबाबाद से गिरफ्तार किया। उस पर गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। अपर पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ नोएडा इकाई राजकुमार मिश्र ने बताया कि शुक्रवार को सूचना मिली कि गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट से 15 हजार रुपये का घोषित इनामी गैंगस्टर सरफराज साहिबाबाद में आने वाला है। सूचना के आधार पर टीम साहिबाबाद भेजी गई। साहिबाबाद कोतवाली की मदद से उसे रात में हज हाउस के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से तमंचा व दो कारतूस बरामद हुआ।

20 साल की उम्र में की थी हत्या

राजकुमार मिश्र ने बताया कि 28 वर्षीय सरफराज मूल रूप से ग्राम झमटा, थाना कारावड़ी, जिला अररिया, बिहार का रहने वाला है। वर्ष-2014 में वह नोएडा सेक्टर-पांच की झुग्गी-झोपड़ी में रहता था। उस दौरान उसका मूसा नामक युवक से झगड़ा हुआ था। उसने न्यू अशोक नगर, दिल्ली में चाकू से गोदकर मूसा की हत्या कर दी थी। उसके खिलाफ न्यू अशोक नगर थाना में हत्या की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। वह इस मामले में वांछित चल रहा था। उस समय वह 20 वर्ष का था। उसके बाद वह गांव भाग गया था। करीब दो साल बाद वापस आकर गाजियाबाद में रहने लगा था। यहां गैंग बनाकर लूटपाट करने लगा था।

काटी थी 11 माह की जेल की सजा

वर्ष-2017 में उसे इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वह पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। कुछ समय बाद इंदिरापुरम पुलिस ने उसे दबोचा कर जेल भेजा था। 11 माह जेल काटने के बाद वह जमानत पर छूट गया था। फिर से गैंग बनाकर लूटपाट करने लगा था। वर्ष-2018 में फिर से पकड़ा गया था। तीन माह जेल काट कर बाहर आया था। गाजियाबाद की लिंक रोड थाना पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई की थी। वह फरार चल रहा था। गाजियाबाद पुलिस ने उस पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। उन्होंने बताया कि उसके खिलाफ गाजियाबाद व दिल्ली के थानों में 15 मुकदमे दर्ज हैं। उसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

इनसाइड

रेक्सीन बनाने की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख; 20 कामगारों को सकुशल निकाला

साहिबाबाद में रेक्सीन बनाने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। इससे लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत की बात रही कि 20 कामगारों में सकुशल बाहर निकाल लिया गया। तेल एकत्रित होने वाले स्थान पर अधिक गर्मी होने के कारण आग लगी थी।

साहिबाबाद। औद्योगिक क्षेत्र साइट-चार में शनिवार सुबह रेक्सीन बनाने की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में काम कर रहे 20 कामगारों को सुरक्षित बाहर निकालकर अग्निशमनकर्मियों ने आग पर काबू पाया। लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। तेल एकत्रित होने वाले स्थान पर अधिक हीट (गर्मी) होने के कारण आग लगी थी। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट-चार में युनाइटेड डेकोरेटिव नाम से रेक्सीन बनाने की फैक्ट्री है। बीके जैन इसके निदेशक हैं। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे फैक्ट्री में करीब 20 कामगार काम कर रहे थे। इस दौरान भीषण आग लग गई। रेक्सीन तेजी से जलने लगी। सूचना पर दो गाड़ियों के साथ साहिबाबाद अग्निशमन केंद्र के कर्मचारी पहुंचे। फैक्ट्री में मौजूद सभी लोगों को बाहर निकाला और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। आग की विकरालता को देखते हुए अग्निशमन केंद्र वैशाली से दो और कोतवाली नगर से तीन गाड़ियों के साथ अग्निशमनकर्मी बुलाए गए। अग्निशमनकर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। फैक्ट्री में रेक्सीन बनती है। उसमें ज्वलनशील पदार्थों का प्रयोग होता है। आग लगने के दौरान ज्वलनशील पदार्थ तेजी से जलने लगे थे। आग पूरी फैक्ट्री में फैल गई थी। गनीमत रही कि उस पर समय से काबू पा लिया गया। यदि आग न बुझती तो आसपास की फैक्ट्रियों को भी अपने आगोश में ले लेती। इससे बड़ा हादसा हो जाता।

आया राम गया राम की तर्ज पर पाला बदल रहे जिला परिषद चेयरमैन विजय लोहिया

विजय सिंह लोहिया एक बार फिर भाजपा में चले गए हैं। जिला परिषद के गत वर्ष नवंबर माह में चुनाव हुए थे। जननानायक जनता पार्टी प्रदेश में भाजपा की मनोहर सरकार के साथ सत्ता में भागीदार है। भाजपा-जजपा के गठबंधन से ही सरकार चल रही है।

फरीदाबाद : जिला परिषद के वार्ड नंबर चार से चुने गए और फिर चेयरमैन बने विजय सिंह लोहिया हरियाणा की राजनीति की प्रसिद्ध कहावत आया राम गया राम को चरितार्थ कर रहे हैं। विजय सिंह लोहिया ने एक बार फिर भाजपा का दामन थाम लिया है। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के शहर में आगमन से ठीक पूर्व विजय सिंह लोहिया ने केंद्रीय भारी उद्योग एवं ऊर्जा राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर में अपनी आस्था दिखाते हुए भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की घोषणा की।

27 नवंबर को मतगणना हुई थी, तो उसमें वार्ड नंबर चार से विजय सिंह लोहिया निर्वाचित घोषित किए गए थे। यह वार्ड अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित था और इस बार जिला परिषद का चेयरमैन पद भी इस वर्ग के पुरुषों के लिए आरक्षित था। चूंकि दस सदस्यों वाली परिषद में एक मात्र विजय सिंह लोहिया ही अनुसूचित जाति से थे, इसलिए उनका चेयरमैन बनना था। वार्ड का सदस्य निर्वाचित होने के बाद 29 नवंबर को विजय सिंह लोहिया केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के सेक्टर-28 स्थित कार्यालय मे गए थे। वहां उन्होंने भाजपा का पटका गले में डाल स्वयं के भाजपाई होने की बात कही थी। इधर बाद में जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का दबाव पड़ा तो विजय सिंह लोहिया ने अपनी राजनीतिक गाड़ी को बैक गेयर में डालते हुए इस बात से इन्कार किया कि वो भाजपा में शामिल हुए हैं। दबाव इसलिए पड़ा था क्योंकि चुनाव से पूर्व जननायक जनता पार्टी ने उन्हें अपना समर्थन दिया था।

पहले जजपा में शामिल हुए थे लोहिया

इधर दबाव पड़ने के बाद 14 दिसंबर को चंडीगढ़ में उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की उपस्थिति में विजय सिंह लोहिया जजपा में शामिल हो गए। तब यह आशंकाएं भी व्यक्त की जा रही थीं कि शायद अब जिला परिषद के चेयरमैन चुनने के लिए बैठक टल जाए, क्योंकि भाजपा नहीं चाहेगी कि उनके वर्चस्व वाले जिले में जजपा का चेयरमैन बने। खैर इसके बाद 24 दिसंबर को जब जिला परिषद के चेयरमैन व उपचेयरमैन चुनने के लिए जब बैठक हुई, तब विजय सिंह लोहिया ही चेयरमैन बने और जजपा ने खूब वाहवाही लूटी।

अब एक बार फिर विजय सिंह लोहिया ने पलटी मारते हुए 20 दिन बाद जजपा छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया। बृहस्पतिवार को भाजपा में शामिल होने पर विजय सिंह लोहिया ने कहा कि सबका साथ सबका विकास की नीति के तहत चलते हुए उन्होंने सभी पार्टी का स्वाद लिया है और अब वो केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर की शरण में हैं, भाजपा के सिपाही हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री का साथ लेकर अपने क्षेत्र का विकास कराएंगे। तो इस तरह से विजय सिंह लोहिया कभी इस दल में और कभी उस दल में हो रहे हैं। कभी जजपा की चाबी लेकर सत्ता का ताला खोलने के जुगाड़ में रहते हैं और अब अपने क्षेत्र में विकास कराने की चाह लिए फिर भाजपा का कमल थाम बैठे हैं। उनके बार-बार पाला बदलने से राजनीतिक गलियारों में भी हास-परिहास हो रहा है।

प्रिंस हत्याकांड में 24 जनवरी को तय किए जाएंगे आरोप, बहस पूरी होने के बाद आएगा फैसला

गुरुग्राम के चर्चित प्रिंस हत्याकांड में शुक्रवार को सुनवाई हुई। अब अगली सुनवाई 24 जनवरी को होगी और इसी दिन आरोप तय किए जाएंगे। सुनवाई के दौरान चार्जशीट से संबंधित सभी दस्तावेज सीबीआई के अधिवक्ता द्वारा बचाव पक्ष को सौंप दिए गए।

गुरुग्राम। बहुचर्चित प्रिंस हत्याकांड मामले की सुनवाई सेशन कोर्ट में शुक्रवार को हुई। सुनवाई के दौरान चार्जशीट से संबंधित सभी दस्तावेज सीबीआई के अधिवक्ता द्वारा बचाव पक्ष को सौंप दिए गए।

24 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

पिछली सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग की थी। अब अगली सुनवाई 24 जनवरी को होगी। उसी दिन आरोप तय करने के बारे में बहस होगी। बहस पूरी होने के बाद फैसला सुना दिया जाएगा। यानी आरोप तय कर दिए जाएंगे। इसके बाद ट्रायल शुरू हो जाएगा।

बता दें कि आठ सितंबर 2017 को सात वर्षीय प्रिंस (अदालत द्वारा दिया गया नाम) की गला रेतकर हत्या सोहना रोड स्थित एक नामी स्कूल के बाथरूम में कर दी गई थी। भोलू (अदालत द्वारा दिया गया नाम) के ऊपर हत्या करने का आरोप है।

24 जनवरी को तय होंगे आरोप

सेशन कोर्ट में आरोपित के विरुद्ध वयस्क की तरह ट्रायल चलेगा। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता सुशील टेकरीवाल का कहना है कि बचाव पक्ष को चार्जशीट से संबंधित सभी दस्तावेज शुक्रवार को उपलब्ध करा दिए गए। 24 जनवरी को आरोप तय हो जाएंगे। इसके बाद डे-टू-डे ट्रायल चले, इस बारे में उन्होंने कोर्ट में अर्जी लगा रखी है। कई साल हो चुके हैं। जल्द मामले में फैसला आए, इसके लिए डे-टू-डे ट्रायल जरूरी है।

सूरजकुंड मेले में अर्जुन के पेड़ के नीचे आएं, चौपाल पर हुक्का गुड़गुड़ाएं

36वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेले में देशों-प्रदेशों की संस्कृति के दर्शन होंगे। हरियाणा पर्यटन निगम की ओर से अपना घर बनाया जा रहा है। चौपाल लगाए जा रहे हैं जहां आप हुक्का गुड़गुड़ा सकते हैं।

फरीदाबाद : तीन से 19 फरवरी तक लगने वाले 36वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में विभिन्न देशों-प्रदेशों की संस्कृति के दर्शन तो होंगे ही, हरियाणा का अपना घर भी आकर्षण का खास केंद्र रहेगा। वीआइपी गेट के पास हरियाणा के अपना घर का विस्तार किया जा रहा है। यहां अर्जुन का पेड़ है। यहीं चौपाल बनाई जाएगी, जिस पर हुक्का का इंतजाम होगा। आप हुक्का गुड़गुड़ा सकते हैं, तो आपको पगड़ी बांधने का भी मौका मिलेगा। हरियाणा पर्यटन निगम की ओर से अपना घर बनाया जा रहा है। पिछले वर्षों में हरियाणा का अपना घर मुख्य चौपाल के पिछले हिस्से में था। मुख्य चौपाल के विस्तार के साथ ही पुराने अपना घर की जगह पर अब कलाकारों के लिए ग्रीन रूम बना दिया गया है।

वीआइपी गेट से प्रवेश करते ही होंगे अपना घर के दर्शन

अब देश-विदेश के पर्यटकों को वीआइपी गेट से प्रवेश करते ही हरियाणा के अपना घर के दर्शन हो पाएंगे। अपना घर के पास ही थीम स्टेट में शामिल आठ राज्यों के एक जोन को भी संवारा जा रहा है। यहां की सड़क को चमकाया जा रहा है। मेले में इस बार नार्थ ईस्ट के आठ राज्य थीम स्टेट के रूप में शामिल होंगे। असम, अरुणाचल, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नगालैंड और सिक्किम सहभागी होंगे। मेले में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से जुड़े कई देश पार्टनर कंट्री के रूप में सहभागी बनेंगे। विरासत हैरिटेज विलेज, कुरुक्षेत्र की ओर से हरियाणा में हलों की विविधता, उसके प्रकार व इतिहास, खेती-बाड़ी के औजारों की विविधता, उनकी प्रदर्शनी, पगड़ी परंपरा का इतिहास तथा महत्व बारे में पर्यटकों को जानकारी दी जाएगी।

मेला के नोडल अधिकारी यूएस भारद्वाज ने बताया कि प्रदेश के सांस्कृतिक परिवेश को दर्शाने के लिए अपना घर पर खास ध्यान दिया जा रहा है। इससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को यहां की ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं के बारे में जानकारी मिल सकेगी।

इनसाइड

क्या होता है FASTag और कैसे करें इसका बैलेंस चेक, जानें पूरी प्रक्रिया स्टेप बाय स्टेप

रोड पर जब आप अपनी कार को लेकर चलते हैं तो आपको टोल टैक्स भरना होता है।आज के समय में FASTag की मदद से चंद मिनट में आप टोल टैक्स भर देते हैं। क्या आप जानते हैं इसका रिचार्ज कैसे होता है और इसमें बैलेंस का पता कैसे करते हैं।

नई दिल्ली। भारत सरकार ने टोल को लेकर कई नियम बनाए हुए है। रोड पर गाड़ी चलाते वक्त टोल टैक्स देने के बारें में आप तो जानते ही होगे। पहले आपको लंबे समय तक लाइन में लगकर टोल देना पड़ता था । लेकिन अब जमाना टेक्नोलॉजी का है इस समय के दौर में अब लोग टोल टैक्स FASTag की मदद से चंद मिनट में भर देते हैं। आइए जानते हैं कि ये क्या होता है ? इसका रिचार्ज कैसे करते हैं और इसका बैलेंस कैसे चेक करते हैं।

FASTag क्या है ?

FASTag एक इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम है जो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) टेक्नोलॉजी पर बेस्ड है। ये टैग अधिकृत बैंक द्वारा किया जाता है और ऑनलाइन माध्यम से इसे टोल लिया जाता है। इसके उपयोग के कारण आप टोल टैक्स पर लंबे समय में लाइन में लगे बिना ही टोल चूका देते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों के सभी टोल प्लाजा पर लगे रीडर्स कार की विंडस्क्रीन पर चिपकाए गए टैग को स्कैन करते हैं और लिंक किए गए अकाउंट के माध्यम से चार्ज कट जाता है।

ऑनलाइन कैसे करें रिचार्ज

भले ही लोग इसको काफी इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आज भी कुछ लोगों को इसके रिर्जाज प्रक्रिया के बारें में नहीं जानते हैं। इसको रिचार्ज करने के लिए आपको सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा ,फास्टैग जारी करने वाले बैंक की वेबसाइटों पर भुगतान और पेटीएम के माध्यम से आप ऑनलाइन रिर्चाज कर सकते हैं।

कैसे करें बैलेंस चेक

सबसे पहले आपको आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।

इसके बाद फास्टैग अकाउंट को लॉग इन करें।

इसके बाद फास्टैग अकाउंट के बैलेंस चेक करने के ऑप्शन पर जाए।

आपको बैलेंस दिखाई दे जाएगा।

साल 2022 में गाड़ियों के रहे ये टॉप 5 ट्रेंडिंग फीचर्स

नए साल के आने में अब कुछ ही दिन बाकी है। इसके साथ ही इस साल कई ऐसे फीचर्स आए हैं जो कार में लोगों द्वारा सबसे अधिक पसंद किए जाते हैं।आज हम आपके लिए टॉप 5 ट्रेंडिंग फीचर्स की लिस्ट लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में इस साल कई गाड़ियां लॉन्च हुई है। इसके साथ ही नए साल के आने में अब कुछ ही दिन बाकी है। आज हम आपके लिए गाड़ियों के उन फीचर्स की लिस्ट लेकर आए हैं जिन्हें सबसे अधिक पसंद किया जाता है। आज हम आपके लिए टॉप 5 ट्रेंडिंग फीचर्स की लिस्ट लेकर आए हैं।

HUD display

2022 में हमने Maruti Suzuki Baleno से लेकर BYD Atto 3 इलेक्ट्रिक SUV तक हमने HUDs को 2022 लॉन्च हुई अधिकांश कारों में देखा है। हेड्स-अप डिस्प्ले (एचयूडी) एक और बनावट विशेषता है जो खरीदारों और निर्माताओं दोनो पर अच्छी -खासी पकड़ बनाता है। इसको सबसे अधिक लोगों द्वारा पसंद किया जाता है।

Ventilated seats

पिछले कुछ सालों में इस सीट का क्रेज सबसे अधिक देखा गया है। कार को सेलेक्ट करते समय लोग इस सीट को सबसे अधिक खोजते हैं। इन दिनो वाहन निर्माता कंपनियां अपनी गाड़ियों में इस सीट को दे रहे हैं। इसको हमने कई गाड़ियों जैसें- Tata Nexon EV, Toyota Hyryder, VW Virtus में देखा है।

क्या थार को टक्कर दे पाएगी जिम्नी, जानिए दोनों की खूबियां

Mahindra Thar VS Maruti Suzuki Jimny Jimny को पांच सिंगल -टोन कलर और दो डुअल- टोन कलर में पेश किया जाएगा। जिम्नी की सीधी टक्कर थार से है। आज हम महिंद्रा थार और मारुति सुजुकी Jimny के बीच की तुलना लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी ने आखिरकार लंबे इंतजार के बाद भारतीय बाजार में अपनी जिम्नी का अनावरण कर दिया है। ये कार 5 डोर में आती है। भारतीय बाजार में लोग बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे थे। जिम्नी का सबसा बड़ा प्रतिद्वंद्वी महिंद्रा थार है जो भारतीय बाजार में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है ।

हाल के दिनों में महिंद्रा ने थार का सबसे किफायती वेरिएंट लॉन्च किया है। इसके कारण ही जिम्नी की सीधी टक्कर थार से है।

Jimny को पांच सिंगल -टोन कलर और दो डुअल- टोन कलर में पेश किया जाएगा। जिसके रंग कुछ इस प्रकार हैं- सिजलिंग रेड, ग्रेनाइट ग्रे, नेक्सा ब्लू, नेक्सा ब्लू, ब्लूश ब्लैक और पीयर आर्कटिक व्हाइट। डुअल-टोन ऑप्शन भी हैं जो ब्लूश ब्लैक रूफ के साथ सिजलिंग रेड और ब्लूश ब्लैक रूफ के साथ काइनेटिक येलो में आते हैं। जिम्नी की लंबाई 3,985 मिमी, चौड़ाई 1,645 मिमी और ऊंचाई 1,720 मिमी है। वहीं थार 3,985 मिमी लंबी, 1,820 मिमी चौड़ी और 1,850 मिमी ऊंची है।

Mahindra Thar और Maruti Suzuki Jimny इंजन

इंजन ऑप्शन की बात करें तो जिम्नी को केवल 1.5-लीटर K15B पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया गया है। जो 103 बीएचपी और 134 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। ये 5 स्पीड मैनुअल गियरबाक्स या फिर 4 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक के साथ आती है। दूसरी ओर Mahindra Thar को तीन इंजन ऑप्शन के साथ पेश किया गया है। इसमें 1.5-लीटर डीजल, 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल और 2.2-लीटर डीजल इंजन है। 1.5-लीटर यूनिट 113 bhp और 300 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है। इसे केवल 6 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। 2.2-लीटर डीजल इंजन 128 बीएचपी और 300 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। जबकि 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन 148 बीएचपी और 320 एनएम तक का पीक टॉर्क जनरेट करता है। दोनों इंजन को 6 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स या फिर 6 -स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आती है।

Mahindra Thar और Maruti Suzuki Jimny बॉडी स्टाइल

Mahindra Thar 2WD को तीन कलर ऑप्शन में किया गया है। जिसमें ब्लेजिंग ब्रॉन्ज एक्सटीरियर कलर थीम भी मिलता है। जिम्नी को 5 डोर वेरिएंट के रूप में पेश किया गया है। वहीं महिंद्रा थार को उसके 3-डोर अवतार में हार्ड-टॉप या सॉफ्ट-टॉप के साथ पेश किया गया है। इसके अलावा महिंद्रा भी 5 डोर पर काम कर रही है।

Mahindra Thar और Maruti Suzuki Jimny फीचर्स

दोनों के फीचर्स की बात करें तो दोनों में क्रूज कंट्रोल, एक मल्टी-फंक्शन स्टीयरिंग व्हील, एक टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, रियर पार्किंग सेंसर, हिल होल्ड कंट्रोल, ईएसपी और हिल डिसेंट कंट्रोल मिलता है। थार में एक टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, एडवेंचर स्टैटिस्टिक्स, 18 इंच के अलॉय व्हील, ड्राइवर सीट के लिए ऊंचाई समायोजन, छत पर लगे स्पीकर और 7 इंच के इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ आता है जो Android Auto और Apple CarPlay को सपोर्ट करता है। जिम्नी में छह एयरबैग, इंजन को स्टार्ट/स्टॉप करने के लिए एक पुश बटन, हेडलैंप वॉशर, ऑटोमेटिक एलईडी हेडलैंप और 9 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम है जो वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले मिलता है।

Mahindra Thar और Maruti Suzuki Jimny कीमत

रियर-व्हील ड्राइव वेरिएंट की कीमत 9.99 लाख से शुरू होती है। फोर-व्हील ड्राइव वेरिएंट की कीमत 13.59 लाख रुपये से शुरू होकर 16.29 लाख रुपये तक जाती है। हालाकिं जिम्नी की कीमतों का खुलासा कंपनी ने अभी तक नहीं किया है। लेकिन अनुमान ये है कि इसकी कीमत 10-12 लाख रुपये के आसपास हो सकती है। अगर आप मारुति की जिम्नी को खरीदना चाहते हैं तो मात्र 11 हजार रुपये में बुक करा सकते हैं।

ऑटो इंडस्ट्री हुई काफी एडवांस, हाइड्रोजन से लेकर फ्लेक्स फ्यूल वाली गाड़ियां आईं नजर

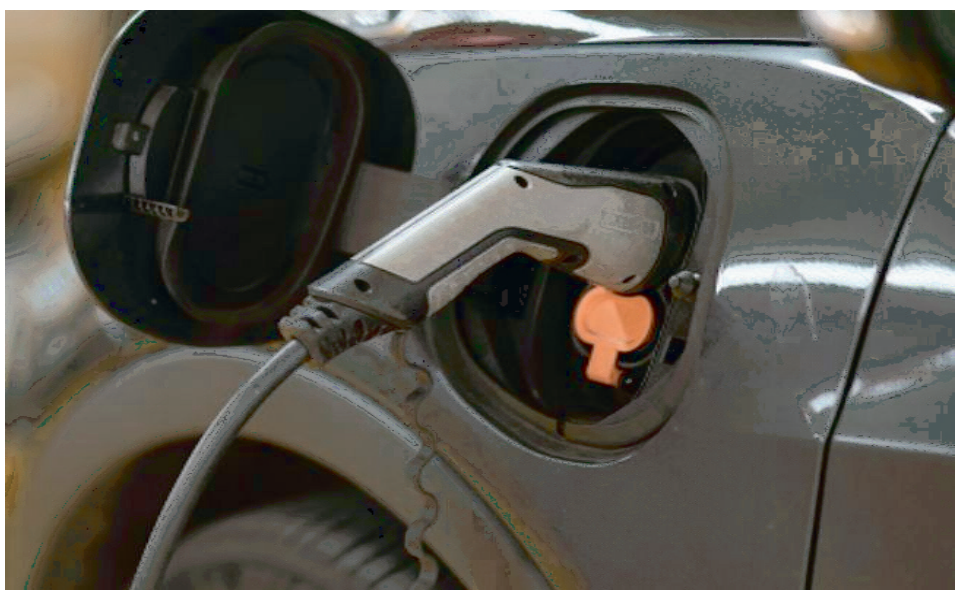

साल 2022 में जितने भी गाड़ियां लांच हुई है उनमें से अधिकतर गाड़ियों में या तो लेवल वन या फिर level-2 एडवांस फीचर दिया गया है। एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (Advanced Driver Assistance Systems) यह एक टॉप क्लास मेकैनिज्म है।

नई दिल्ली। साल 2022 ऑटो इंडस्ट्री के लिए बेहद ख़ास रहा है क्योंकि, कोरोना के प्रभाव से पूरी इंडस्ट्री बुरी तरह से प्रभावित हो चुकी थी या वह साल है जहां पर कंपनी ने अच्छी खासी ही है। 2022 में ऑटो इंडस्ट्री के अंदर कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं जिसको हम आधुनिकीकरण के तौर पर देखते हैं।

हाई-टेक एक्सप्रेसवे-

साल 2022 में देश को पहला हाई-टेक एक्सप्रेस वे मिला, जहां 11 दिसंबर से 701 किलोमीटर लंबा मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेस वे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस एक्सप्रेस वे पर कई ऐसी एडवांस सुविधाएं दी गई हैं, जो शायद ही किसी हाईवे या एक्सप्रेसवे पर देखने को मिलेंगी।

हाइड्रोजन कार-

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को इस साल हाइड्रोजन से चलने वाली गाड़ियों को प्रमोट करते हुए देखा गया है। दरअसल, ईंधन के विकल्प के तौर र हाइड्रोजन कार को देश के फ्यूचर के तौर पर देखा जा रहा है।

ADAS फीचर-

साल 2022 में जितने भी गाड़ियां लांच हुई है उनमें से अधिकतर गाड़ियों में या तो लेवल वन या फिर level-2 एडवांस फीचर दिया गया है। एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (Advanced Driver Assistance Systems) यह एक टॉप क्लास मेकैनिज्म है। यह आपको ऑटोमैटिक कार वाली फीलिंग देता है। यह किसी जर्मन या अमेरिकी गाड़ी में नहीं, बल्कि भारत में बनी महिंद्रा की कारों में भी देखने को मिलता है। एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (Advanced Driver Assistance Systems) बहुत ही खास सेफ्टी फीचर है, जो आपको सुरक्षित रखने में हेल्प करता है। यह सिस्टम आगे चलने वाली गाड़ी से एक समान दूरी मेंटेन करने के लिए यूज किया जाता है।

फ्लेक्स फ्यूल कार-

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने साल 2022 में टोयोटा मिराई नाम की फ्लैक्स फ्यूल कार को भारत में लांच किया था। यह गाड़ी देश की पहली फ्लाइट स्कूल पर चलने वाली कार थी अभी हाल ही में मारुति ने वैगनआर को फ्लेक्स टूल कांसेप्ट को अनवील किया था।

इलेक्ट्रिक वाहन-

इलेक्ट्रिक वाहन का चलन दिन पर दिन काफी तेजी से बढ़ते जा रहा है। इस साल कई बड़ी वाहन निर्माता कंपनियों ने अपने अपने वाहनों को लॉन्च किया है। आने वाले दिनो में इसमें और तेजी देखने को मिलेगी। पेट्रोल डीजल के बढ़ते कीमतों के कारण हर कोई इलेक्ट्रिक वाहन को अपना रहा है। लोगों का तेजी से अनना इसके भविष्य को दर्शाता है।

फास्ट चार्जर-

भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन तेजी से बढ़ते जा रही है। लोग इसको अपना भी तेजी से रहे हैं लेकिन आज भी लोगों के दिलो में इसको लेकर एक सवाल रहता है चार्जिंग स्टेशन और फास्ट चार्जर। समय काफी तेजी से भागता है लोग इस समय हर चीज बिना समय गवाए पाना चाहते हैं। इसी को देखते हुए सरकार काफी तेजी से ईवी चार्जिंग स्टेशनों को स्थापित कर रही है। इसके साथ ही इतने ही तेजी से वाहन निर्माता कंपनियां फास्ट चार्जर को बनाने में जोर दे रही है ताकि लोग बिना समय गवाए अपनी कार को तेजी से चार्ज कर सके।

संपादकीय विशेष

शौर्य से लबरेज गोरखा सैन्य इतिहास

प्रताप सिंह पटियाल

स्मरण रहे विश्व युद्धों में भाग लेने वाले भारतीय सैनिकों का मंजिल-ए-मकसूद भी अंग्रेजों की सफ्फाक हुक्मरानी से भारत की आजादी ही था। बहरहाल सेना दिवस के अवसर पर 'कायर हुनु भन्दा मर्नु राम्रो' जैसे ध्येय वाक्य को सार्थक करने वाले सैनिकों को नमन है'

'कायर हुनु भन्दा मर्नु राम्रो' अर्थात कायर की तरह जीने से मरना बेहतर। यह ध्येय वाक्य भारतीय सेना की गोरखा राइफल्स का है। भारत के सैन्य इतिहास में गोरखा सैनिकों की दास्तान ए शुजात किसी तारूफ की मोहताज नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध में दो व द्वितीय विश्व युद्ध में 10 विक्टोरिया क्रॉस तथा आजादी के बाद 3 परमवीर चक्र जैसे आलातरीन सैन्य पदक गोरखा सैन्य पराक्रम की तस्दीक करते हैं। इंग्लैंड के रक्षा मंत्रालय के 'हार्स गार्डन' में मौजूद गोरखा सैनिक का मुजस्म्मा गोरखाओं की बहादुरी को दर्शता है। कै. गुरबचन सिंह सलारिया यूएनओ मिशन में प्रथम व एकमात्र 'परमवीर चक्र' (मरणोपरांत), हिमाचली शूरवीर मे. धन सिंह थापा 'परमवीर चक्र' 1962 चीन युद्ध तथा कै. मनोज पांडे परमवीर चक्र (मरणोपरांत) कारगिल युद्ध गोरखा राइफल्स के तीनों परमवीरों के निर्भीक सैन्य नेतृत्व के पीछे गोरखा फौज की शूरवीरता मौजूद थी। सेना के सबसे सम्मानित जनरल व 1971 में नए मुल्क बांग्लादेश के नक्शे के मुख्य मुसव्विर फील्ड मार्शल 'सैम मानेकशॉ' का संबंध भी गोरखा राइफल्स से था। 1971 में पाकिस्तान की तकसीमी इबारत तथा ढाका में पाक सेना के सरेंडर की शतरंजी बिसात बिछाने के अहम किरदार 'सगत सिंह राठौर' व 'गंधर्व नागरा' जैसे जरनैलों का ताल्लुक भी गोरखा राइफल्स से ही था।

गोरखा राइफल्स की स्थापना अंग्रेजों ने 24 अप्रैल 1815 के दिन हिमाचल प्रदेश के सुबाथू में की थी। पहली जंगे अजीम के दौरान तीसरी गोरखा के नायक 'कुलबीर थापा' ने सन 1915 में फ्रांस के महाज पर तथा सिपाही कर्ण बहादुर थापा ने अप्रैल 1918 को मिस्र के जंगे मैदान में असीम शौर्य का मजमून लिखा था। बर्तानिया बादशाही ने दोनों गोरखा शूरवीरों को विक्टोरिया क्रॉस से सरफराज किया था। द्वितीय विश्व युद्ध में 'मिलिट्री क्रॉस' से सम्मानित होने वाले प्रथम भारतीय सैनिक तथा आजादी के बाद 'महावीर चक्र' जैसे पदक से अलंकृत हिमाचली सपूत कर्नल 'अनंत सिंह पठानिया' का संबंध भी 5वीं गोरखा से था। कर्नल अनंत सिंह पठानिया की कयादत में गोरखा सैनिकों ने 11 नवंबर 1948 के दिन कश्मीर में पाक सेना की पेशकदमी को खाक में मिलाकर गुमरी नाले पर कब्जा कर लिया था। उसी युद्ध में नायक 'राम प्रसाद गुरुंग'

'महावीर चक्र' ने पाक सेना की पूरी तजवीज को नेस्तानाबूद करके 15 नंवबर 1948 को अपना बलिदान दिया था। आठवीं गोरखा के सैनिकों ने सन 1948 में मेजर हरिचंद 'महावीर चक्र' के नेतृत्व में पाक सेना से लद्दाख को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हैदराबाद रियासत का भारत में विलय के लिए चलाए गए सैन्य आपरेशन 'पोलो' में 'पांचवीं गोरखा' के नायक 'नर बहादुर थापा' ने भारत के एकीकरण के लिए श्रेष्ठ सैन्य नेतृत्व की नजीर पेश करके 13 सितंबर 1948 को हैदराबाद में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। शांतिकाल के सर्वोच्च सैन्य पदक 'अशोक चक्र' से नवाजे जाने वाले प्रथम सैनिक नर बहादुर थापा ही थे। गुरबचन सिंह सलारिया के नेतृत्व में 1961 के कांगो सैन्य मिशन में 'एलिजाबेविले हवाई अड्डे' पर कब्जा जमाए बैठे विद्रोहियों की किलेबंदी को तीसरी गोरखा के नायक 'महावीर थापा' व रण बहादुर थापा दोनों 'महावीर चक्र' (मरणोपरांत) ने अपनी खुखरियों से नेस्तानाबूद कर दिया था। दुनिया के सबसे बुलंद युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर को कब्जाने के लिए भारतीय सेना द्वारा चलाए गए आपरेशन 'मेघदूत' में चौथी गोरखा के हवलदार 'नर बहादुर अल' व प्रेम बहादुर गुरंग दोनों 'महावीर चक्र' (मरणोपरांत) ने कई पाक सैनिकों को हलाक करके सियाचिन में तिरंगा फहराने में अहम किरदार अदा किया था। 7 दिसंबर 1971 को 11वीं गोरखा के नायक धन बहादुर राय 'वीर चक्र' ने पश्चिमी मोर्चे पर पाक जंगी विमान को अपनी मशीनगन से मार गिरा कर पाक फिजाई हमले को नाकाम किया था।

पांचवीं गोरखा के कर्नल 'इंद्र बल सिंह बावा' 'महावीर चक्र' श्रीलंका में आपरेशन 'पवन' के तहत जाफना में लिट्टे के आतंकियों की मंसूबाबंदी को ध्वस्त करके 13 अक्तूबर 1987 को वीरगति को प्राप्त हो गए थे। जाफना की भीषण जंग में सूबेदार प्रेम बहादुर थापा 'वीर चक्र' ने असीम शौर्य का परिचय दिया था। कर्नल इंद्र बल सिंह बावा की आरंभिक शिक्षा शिमला में हुई थी। जंगे आजादी के योद्धा मेजर दुर्गामल व कै. दल बहादुर थापा तथा कै. राम सिंह ठाकुर तीनों हिमाचली सपूत ब्रिटिश इंडियन आर्मी में गोरखा राइफल्स का हिस्से थे लेकिन सुभाष चंद्र बोस के राष्ट्रवादी जज्बातों से मुतासिर होकर तीनों जांबाज 'आजाद हिंद फौज' में शामिल हो गए थे।

आईएनए के खुफिया विभाग में तैनात दुर्गामल को अंग्रेज सेना ने 27 मई 1944 के दिन कोहिमा के मोर्चे पर हिरासत में लेकर 25 अगस्त 1944 को लाल किले में फांसी पर लटका दिया था। कोहिमा के युद्ध में ही अंग्रेजों ने कै. दल बहादुर को गिरफ्तार करके 3 मई 1945 के दिन फांसी की सजा दी थी। यह वीरभूमि हिमाचल की राष्ट्रवादी तहजीब का मिजाज था कि मातृभूमि की आजादी के लिए दोनों जांबाजों ने फांसी के फंदे चूम लिए मगर फिरंगी हुकूमत से माजरत का इजहार तक नहीं किया। बलिदानी दुर्गामल की प्रतिमा भारत के संसद भवन में मौजूद है। वतनपरस्ती के तरानों की मौसिकी के जरिए आईएनए में शदीद जोश भरने वाले राम सिंह ठाकुर राष्ट्रगान जन-गण-मन की धुन के वास्तविक फनकार भी थे। जंग के मोर्चे पर शौर्य के शिलालेख लिखने वाले गोरखा सैनिकों ने अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर भारत का नेतृत्व भी किया है। 1962 के जकार्ता एशियन गेम्स में बॉक्सिंग में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीतने वाले कै. पदम बहादुर मल्ल 'अर्जुन अवार्ड' 8वीं गोरखा से हैं। 1980 के मॉस्को ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले चंबा के दिग्गज बाक्सर कै. बीएस थापा भी गोरखा राइफल्स से ही थे। मौजूदा ओलंपियन शूटर सूबेदार मेजर जीतू राय 11वीं गोरखा में तैनात हैं। स्मरण रहे विश्व युद्धों में भाग लेने वाले भारतीय सैनिकों का मंजिल-ए-मकसूद भी अंग्रेजों की सफ्फाक हुक्मरानी से भारत की आजादी ही था। बहरहाल सेना दिवस के अवसर पर 'कायर हुनु भन्दा मर्नु राम्रो' जैसे ध्येय वाक्य को सार्थक करने वाले सैनिकों की शूरवीरता को भारतीय सेना नमन करती है। सैनिकों की कुर्बानी के जज्बे को अनुभव करने की जरूरत है।

संपादक की कलम से

ओपीएस की लोहड़ी

अपने इरादों और वादों के अनुरूप कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने पहले कदम पर ही निर्णायक मंजिल तय करते हुए, ओल्ड पेंशन स्कीम को पुनः जीवित कर दिया। यह एक बड़ा फैसला है, जिसके आर्थिक व राजनीतिक मायने आगे चलकर देश के सामने नई कसौटियां पैदा जरूर करेंगे। जाहिर तौर पर यह राजनीतिक इच्छा शक्ति का एक मुकाबला विधानसभा चुनाव से शुरू हुआ था, जिसकी परिणति में कांग्रेस सरकार का गठन अपने पहले फैसले के रूप में ओपीएस की लोहड़ी मना रही है। जाहिर है ओपीएस की लोहड़ी में सख्त मूंगफली की वित्तीय गांठें हैं, तो रेवड़ियों की दुकान भी मंत्रिमंडलीय बैठक के बाहर सजी है। इसलिए यह पहला अवसर है जब किसी नई सरकार का इस्तकबाल इतने जोर शोर से कर्मचारी कर रहे हैं। हम इसे सरकार का त्योहार कह सकते हैं, लेकिन हर अतिरिक्त खर्च के लिए अतिरिक्त आमदनी और कमाने का नया जरिया भी होना चाहता है। आज की स्थिति में अगर किसी परिवार को ढंग से लोहड़ी भी मनानी हो तो मासिक बजट में छेद हो जाते हैं और यहां तो करीब डेढ़ लाख एनपीएस कर्मचारियों के घर हर दिन लोहड़ी के तिल और मीठा गुड़ भेजने की प्रतिबद्धता है। जाहिर है सरकार साबित कर रही है कि उसके तिलों में इतना तेल है कि सर्वप्रथम कर्मचारी खुश किए जाएं।

ओपीएस देने की वित्तीय व्यवस्था कर रही सुक्खू सरकार के सामने छत्तीसगढ़, राजस्थान व पंजाब के फार्मूले बेशक रहे, लेकिन हिमाचल ने ऐसा रास्ता चुना जिस पर चलते हुए यह सर्वमान्य हल तक पहुंचता हुआ प्रतीत होता है। मुख्यमंत्री ने 'पेंशन पुरुष' का तमगा हासिल करते हुए महिलाओं को प्रतिमाह पंद्रह सौ रुपए जारी करने के लिए एक उप समिति गठित की है, जो एक महीने के भीतर इसका प्रारूप पेश करेगी। सुक्खू सरकार ने दस गारंटियों की फेहरिस्त से तीसरी वचनबद्धता के रूप में एक लाख रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए भी एक उप समिति का गठन किया है, जो एक महीने तक रिपोर्ट देगी। ऐसे में माना जा सकता है कि सुक्खू सरकार अपनी दृढ़ प्रतिज्ञा का प्रदर्शन करते हुए कुछ चमत्कारिक फैसले लेना चाहती है। यह दीगर है कि हर वादे में खर्च की सीमा बढ़ जाती है और यह भी कि परिपाटी बदलने की लागत में प्रदेश के खजाने को संवारने की शर्त नत्थी रहेगी। मुख्यमंत्री अपने साहसिक फैसलों में ओपीएस के मार्फत एक लाख अड़तीस हजार कर्मचारियों के सामने वादा निभाने के आदर्श ऊंचे कर रहे हैं, तो खुशियों के इस माहौल में चारों तरफ वसंत का नूर देखा जाएगा। हालांकि मुख्यमंत्री के सामने पिछली सरकार के फैसलों से निपटने की कई दीवारें खड़ी हैं। मसलन वेतन भोगी वर्तमान सरकारी कर्मचारियों के लंबित 4430 करोड़ व पेंशनधारियों के 5226 करोड़ के एरियर का भुगतान अटका हुआ है तो छठे वेतन आयोग के तहत एक हजार करोड़ की देनदारी भी रुकी हुई है। मुख्यमंत्री पिछली सरकार की अदायगी के बोझ में नौ सौ संस्थानों की डिनोटिफिकेशन के लिए उस अर्थ बोझ को जोड़ लेते हैं, जो इनके संचालन पर वार्षिक रूप से 5 हजार करोड़ की मांग कर रहा है। यानी कुल सोलह हजार करोड़ की अदायगी के बावजूद ओपीएस का बिल अब सरकार खुशी-खुशी अदा करेगी। बीस वर्ष बाद हिमाचल के सरकारी कर्मचारियों ने एक ऐसी जीत हासिल की जिसका असर उनके घर परिवार और चूल्हे तक रहेगा।

15 जनवरी का इतिहास

1759 में लंदन के मोंटेगुवे हाउस में दुनिया के सब से महान मानवीय इतिहास और सभ्यता के संग्रहालयों में से एक माने जाने वाले ब्रिटिश संग्रहालय की स्थापना हुई।

1784 में विलियम जोंस ने कोलकाता के फोर्ट विलियम में एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल की स्थापना।

1934 में नेपाल और भारत में बहुत जबरदस्त भूकंप आया उसमें करीब 18 हजार लोगों की जाने गयी।

1949 को ब्रिटिश राज के भारतीय सेना के अंतिम अंग्रेज शीर्ष कमांडर जनरल रॉय बुचर से के एम करियप्पा ने भारतीय थल सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ का पदभार ग्रहण किया। उस दिन से 15 जनवरी को सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय खाद्य निगम 1965 में स्थापना हुई।

अंगोला की आजादी के लिए समझौते पर पुर्तग़ाल ने 1975 में हस्ताक्षर किये।

1988 में भारत के पूर्व गेंदबाज नरेंद्र हिरवानी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में ही 16 विकेट लिए यह उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि हैं।

बाल्कन के देश मैसिडोनिया को 1992 में बुल्गारिया ने मान्यता दी।

ढाका में त्रिदेशीय बांग्लादेश, भारत तथा पाकिस्तान का शिखर सम्मेलन 1998 में प्रारम्भ।

क्वात्रोच्चि के दो बैंक खातों पर से प्रतिबंध हटाने का आदेश ब्रिटिश हाईकोर्ट ने 2006 में दिया।

2007 में इराकी अदालत के पूर्व प्रमुख एवं सद्दाम हुसैन के सौतेले भाई फ़ाँसी पर चढ़ाये गये।

2013 में सीरिया की अलेप्पो यूनिवर्सिटी में हुए रॉकेट हमले में लगभग 100 लोगों की मौत तथा 150 के करीब लोग घायल।

15 जनवरी को जन्मे व्यक्ति – Born on 15 January

1856 में अश्विनी कुमार दत्त का जन्म जो भारत के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता और देश भक्त थे।

1918 में क्रांतिकारी यशवंत अग्रवाडेकर का जन्म हुआ। ऐसा माना जाता हैं की वह गोमांतक दल के बहुत खतरनाक क्रांतिकारी थे।

1921 में बाबा साहेब भोंसले का जन्म जो राजनीतिज्ञ थे।

1956 में मायावती का जन्म जो एक राजनीतिज्ञ हैं।

1957 में भानुप्रिया का जन्म जो अभिनेत्री हैं।

1982 में नील नितिन मुकेश का जन्म अभिनेता हैं।

1888 में सैफ़ुद्दीन किचलू का जन्म जो पंजाब के स्वतंत्रता सेनानी थे।

1938 में चुनी गोस्वामी का जन्म जो प्रसिद्ध भारतीय फ़ुटबॉलर हैं।

1926 में खाशाबा जाधव का जन्म जो भारत के ऐसे पहले कुश्ती खिलाड़ी थे जिन्होंने हेलसिंकी ओलम्पिक में कांस्य पदक जीता था।

15 जनवरी को हुए निधन – Died on 15 January

1761 ई. में भारतीय इतिहास में प्रसिद्ध एक मराठा वीर सदाशिवराव भाऊ का निधन।1998 में भारत के भूतपूर्व कार्यकारी प्रधानमंत्री गुलज़ारीलाल नन्दा का निधन।

वर्षान्त पर्यटन की खोज

हिमाचल में नव वर्ष आगमन का रोमांच इस समय प्रदेश के पर्यटन सूचकांक को शिखर दिखा रहा है, तो यह होटल व्यवसाय की मंदी को खुशहाली की क्षमता से सराबोर भी कर रहा है। वर्षान्त पर्यटन की तहजीब में आनंद ढूंढते सैलानी अपने साथ एक तरह की आवारगी का दबाव भी बढ़ाते हैं और अगर इसे देखना हो तो प्रमुख सडक़ों पर ट्रैफिक के हालात पर नजर दौड़ानी पड़ेगी। हमें यह भी समझना होगा कि वर्षान्त पर्यटन की मांग पूरी करते हुए हमारे इंतजाम क्या हैं। बेशक पर्यटन को प्रकृति से बर्फ चाहिए, तो पहाड़ी नजारों से आनंद, लेकिन कहीं वह नए साल के सुरूर में अनियंत्रित होने का सबब पाल कर भी आ रहा है। ऐसे में उसके मनोरंजन की वजह समझते हुए विशेष कार्यक्रमों व गतिविधियों की शृंखला तैयार की जा सकती है। विडंबना यह रही है कि अंततः पर्यटन गतिविधियां केवल होटलों की व्यवस्था में सिमट जाती हैं, जबकि राज्य को इसके परिप्रेक्ष्य में सामूहिक वातावरण तैयार करना होगा। शिमला के रिज मैदान या मनाली के माल की तर्ज पर हर छोटे-बड़े पर्यटक स्थल पर नव वर्ष आगमन मनाने के लिए बड़े मैदान या केंद्रीय स्थल विकसित करने होंगे, ताकि हजारों की तादाद में जब सैलानियों के समूह एकत्रित हों तो उनकी सुविधा, कानून-व्यवस्था तथा मनोरंजन की दृष्टि से अफरातफरी न फैले। साल में अब केवल एक सीजन नहीं आता, बल्कि पर्यटन की राहें अनवरत सक्रिय रहने लगी हैं।

इसलिए पर्यटन की क्षमता में हमें पर्यटक स्थलों की क्षमता को बढ़ाने के लिए बड़ी योजनाएं चाहिएं और साथ ही नए क्षेत्रों का विकास भी सुनिश्चित करना होगा। हिमाचल में पिछले कुछ समय में जिस तरह बीड़-बिलिंग ने पर्यटक स्थल के रूप में खुद को विकसित करते हुए मनोरंजन का सर्किट बनाया है, उस तरह वहां सुविधाएं व व्यवस्थागत इंतजाम नहीं हुए हैं। आज भी राजधानी शिमला ऐसे कई मौकों पर ट्रैफिक जाम में फंस जाती है। इस समय हिमाचल में पर्यटन का सबसे वांछित स्थल अटल टनल बन रहा है और इसके परिणाम भी सामने हैं। वर्षान्त पर्यटन के कारण अटल टनल की दूरी, मनाली से ट्रैफिक जाम ने इतनी लबी कर दी है कि सैलानी घंटों सरकते यातायात में फंसा हुआ महसूस करते हैं। पर्यटन गतिविधियां केवल आगमन व प्रस्थान नहीं, बल्कि किसी न कॉनसेप्ट पर आधारित भी होना चाहिए। हिमाचल के तमाम धरोहर व धार्मिक स्थलों पर अगर वर्षान्त पर्यटन को आकर्षित करने के लिए समारोह आयोजित किए जाएं, तो सैलानी पूरे प्रदेश में बंट जाएंगे। इस तरह के मौकों पर हिमाचल के संदर्भों में फूड फेस्टिवल, लोक कला-समारोह तथा हिमाचली उत्पादों को प्रस्तुत करके हम राज्य की एक पूरी तस्वीर पेश कर सकते हैं।

हिमाचल की प्राकृतिक तथा मानवनिर्मित झीलें आज भी अपनी क्षमता के मुताबिक सैलानियों को आकर्षित नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि कही बीबीएमबी के ताले लगे हैं, तो कहीं वन्य प्राणी विभाग के काम करने की वजह आड़े आ रही है। पौंग, भाखड़ा व कोल डैम जैसे जलाशय अगर वाटर ट्रांसपोर्ट से जुड़ते हैं, तो न केवल वर्षान्त पर्यटन, बल्कि साल भर का एक कैलेंडर तैयार हो सकता है। बहरहाल वर्षान्त पर्यटन की तहजीब में जो संभावनाएं उभर रही हैं, वे मकर संक्रांति से लोहड़ी उत्सव तक हिमाचल को एक अवसर दे रही हैं। इन्हीं के साथ घृत मंडल समारोह भी जुड़ जाता है अतः बीस दिसंबर से पंद्रह जनवरी तक को हम वर्षान्त व नव वर्ष आगमन की महक के साथ जोडक़र एक सशक्त पहल कर सकते हैं। आवश्यक यह है कि हिमाचल में पर्यटन किसी भी सूरत भीड़ न बन जाए और दूसरे यह कि बढ़ते पर्यटकों की तादाद को देखते हुए ट्रैफिक इंतजाम, सैलानी सुविधाएं, नए पर्यटन केंद्रों का विकास, मनोरंजन गतिविधियों में विविधता तथा पारंपरिक स्थलों की क्षमता में विकास किया जाए।

'यात्रा' से अलग विपक्ष

यकीनन विपक्षी एकता पर अब बड़ा सवालिया निशान स्पष्ट होने लगा है। सभी छोटे-बड़े राजनीतिक दलों के स्वार्थ, लक्ष्य और उनकी सियासत अलग-अलग है। वे उन्हीं में खुश और संतुष्ट रहना चाहते हैं। बयानबाजी के निशाने पर, बेशक, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा हैं, लेकिन एक भी गोलबंद प्रयास अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है कि विपक्ष एक साझा राजनीतिक लड़ाई लडने और भाजपा को पराजित करने के मूड में है। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' नए साल में 3 जनवरी को उप्र में प्रवेश करेगी। फिलहाल यात्रा दिल्ली में विश्राम कर रही है। उप्र देश का सबसे बड़ा राज्य है और वहां से 80 सांसद चुन कर लोकसभा में आते हैं। जाहिर है कि दिल्ली का दरवाजा लखनऊ के बाद ही खुलता है, लिहाजा कांग्रेस ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, सपा विधायक शिवपाल यादव, बसपा प्रमुख मायावती और महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा, भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे दिनेश शर्मा को प्रोफेसर होने के नाते, सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर आदि को न्योता भेजा है कि वे 'यात्रा' में शामिल हों। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों-डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती-ने न्योता कबूल कर लिया है। वे यात्रा के अंतिम चरण में, जम्मू-कश्मीर में, जुड़ेंगे, लेकिन अन्य नेताओं ने या तो न्योता न मिलने की बात कही है अथवा वे यात्रा में शामिल नहीं होंगे।

उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने तो सवाल किया है कि आखिर भाजपा को हरा कौन सकता है? राहुल गांधी के विचार अच्छे हो सकते हैं, लेकिन यह आकलन भी महत्वपूर्ण है कि ज़मीन पर कौन, कहां मौजूद है? राजनीतिक ताकत किसकी ज्यादा है? इसी तरह तेलंगाना में मुख्यमंत्री एवं 'भारत राष्ट्र समिति' के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस की यात्रा से जुडऩा मुनासिब नहीं समझा। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी तो क्यों शामिल होते, क्योंकि वह कांग्रेसी दंश और उपेक्षा झेलने के बाद ही अलग हुए थे। एक और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी फिलहाल कांग्रेस से दूरी बनाए रखी है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस पार्टी के प्रति, ज़हरीली स्थिति में है और लगातार कोसती रही है, लिहाजा पार्टी की अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी यात्रा का अघोषित बहिष्कार किया था। महाराष्ट्र में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'अपरिपक्व' करार देते आए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि विभिन्न क्षेत्रीय दल, कांग्रेस की छतरी तले जुटने में, परहेज क्यों करते रहे हैं? कांग्रेस आज भी विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन कांग्रेस और राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार करने को विपक्ष एकमत नहीं है। हालांकि खुलकर विरोध भी नहीं किया जा रहा है, लेकिन कथित एकता का प्रयास भी नदारद है।

विपक्षी दलों को एहसास है कि वे अलग-अलग 'तिनके के समान' हैं, लेकिन विपक्षी एकता में वे अपना वर्चस्व छोडऩे को राजी नहीं हैं। ममता के अपने दावे हैं, चंद्रशेखर राव अपने स्तर पर एकता के छुटपुट प्रयास करते रहे हैं, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी विपक्षी दलों की एकता के आह्वान करते रहे हैं, उन्होंने सोनिया गांधी समेत विपक्ष के कई नेताओं से मुलाकातें भी की थीं, लेकिन निष्कर्ष अभी तो 'शून्य' है। दिलचस्प यह है कि आज भी कांग्रेस 2014 से पहले वाले यूपीए को याद कर गदगद रहती है। उसे उम्मीद है कि अंततः विपक्ष उसी के नेतृत्व में लामबंद होगा। कांग्रेस का एक तबका 'भारत जोड़ो यात्रा' को 2024 के आम चुनाव से जोड़ कर देखने के खिलाफ है, लेकिन एक और तबका स्वप्न देख रहा है कि 2024 में राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री होंगे! इस बीच मणिशंकर अय्यर सरीखे वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी हैं, जो अखंड, मजबूत भारत के स्थान पर मान रहे हैं कि भारत आज टूट रहा है। क्या यह विचार यात्रा के खिलाफ नहीं है? कुछ विपक्षी नेता यात्रा से भावनात्मक तौर पर जुड़ रहे हैं, लेकिन विपक्षी एकता और राहुल गांधी के नाम पर खामोश हो जाते हैं। इससे विपक्षी एकता की संभावनाएं ही क्षीण होती हैं। अंततः 2024 के मद्देनजर विपक्षी एकता कब और कैसे होगी, यह देखना दिलचस्प होगा, अलबत्ता छिन्न-भिन्न विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के लिए छोटी-सी भी चुनौती साबित नहीं हो सकता।

जोशीमठ जैसी त्रासदियों में सजा जरूरी

नेपाल में स्थित एक अंतर-सरकारी ज्ञान एवं शिक्षण केन्द्र, इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट द्वारा किए गए एक आकलन के अनुसार पहले से ही जलवायु परिवर्तन से गम्भीर रूप से प्रभावित हिन्दूकुश हिमालय क्षेत्र का तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर के मुक़ाबले वर्ष 2100 तक पांच डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। हिमालय से निकलने वाली 60 प्रतिशत जलधाराओं में दिनोंदिन पानी की मात्रा कम हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग के असर से हिमालय के ग्लेशियर पिघलने की चेतावनी पर्यावरण विशेषज्ञ पहले कई बार दे चुके हैं। नदियों में पानी बढ़ेगा और उसके परिणामस्वरूप कई नगर-गांव जलमग्न हो जाएंगे। वहीं धरती के बढ़ते तापमान को थामने वाली छतरी के नष्ट होने से भयानक सूखा, बाढ़ व गरमी पड़ेगी। जाहिर है कि ऐसे हालात में मानव-जीवन पर भी संकट होगा। हिमालय पहाड़ न केवल हर साल बढ़ रहा है, बल्कि इसमें भूगर्भीय उठापटक चलती रहती है'.

उत्तराखंड के जोशीमठ में हजारों मकानों में दरारों की प्राकृतिक आपदा के लिए प्रकृति कम और शासन तंत्र ज्यादा जिम्मेदार है। प्रकृति से खिलवाड़ करने के प्रति आंखें मूंदे रखने वाले नाकारा तंत्र को यदि सजा का प्रावधान नहीं किया गया तो प्रकृति इसी तरह सजा देती रहेगी जिसका खामियाजा आम लोग भुगतते रहेंगे। जोशीमठ में कुल 4500 इमारतें हैं और इनमें से 610 में बड़ी दरारें आ गई हैं, जिससे वे रहने लायक नहीं रह गई हैं। वर्ष 2006 की एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में भी कहा गया था कि जोशीमठ प्रति वर्ष एक सेंटीमीटर धंस रहा है। उस वक्त यदि इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए पर्यावरण और भूगर्भ संबंधी खतरों को टालने की कवायद के गंभीर प्रयास किए गए होते तो शायद बर्बादी की यह नौबत नहीं आती। दरअसल जोशीमठ में भू-धसाव के पीछे अनियंत्रित निर्माण भी जिम्मेदार माना जा रहा है। बेतरतीब और अनियोजित निर्माण का जो दंश आज जोशीमठ झेल रहा है, उत्तराखंड में पहाड़ के हर छोटे-बड़े शहरों की कहानी कमोबेश जोशीमठ जैसी ही है। पर्यावरण और भूगर्भ विशेषज्ञ सालों पहले ही हिमालय क्षेत्र में बसे पहाड़ी राज्यों में भूकम्प सहित दूसरी तरह की प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी दे चुके हैं। इसके बावजूद वोटों की राजनीति के डर से राज्यों और केंद्र सरकार ने इसकी रोकथाम के उपाय करने के लिए कठोर कदम नहीं उठाए। इसकी कीमत पूर्व में हजारों लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी है।

उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग और विश्व बैंक ने वर्ष 2018 में एक अध्ययन करवाया था। इस अध्ययन के अनुसार इस राज्य में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन जोन के रूप में चिन्हित किए गए। एक संबंधित रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में चल रही हजारों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काट कर या फिर जंगलों को उजाड़ कर बन रही हैं और इसी कारण से भूस्खलन जोन की संख्या बढ़ रही है। अगस्त 2022 से उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार जोशीमठ के धंसने में भूगर्भीय कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अत्यधिक मौसम की घटनाओं जैसे भारी वर्षा और बाढ़ ने भी जोशीमठ के धंसने में योगदान दिया है। जून 2013 और फरवरी 2021 की बाढ़ की घटनाओं से भी क्षेत्र में जमीन धंसने का खतरा बढ़ा है। गढ़वाल आयुक्त महेश चंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में एक पैनल ने 1978 में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें कहा गया था कि शहर, नीती और माणा घाटियों में बड़े निर्माण कार्य नहीं किए जाने चाहिए क्योंकि ये क्षेत्र मोरेन पर स्थित हैं। मोरेन यानी चट्टानों, तलछट और चट्टानों का ढेर। जोशीमठ, हेम, अर्नोल्ड और अगस्त गैंसर की पुस्तक सेंट्रल हिमालय के अनुसार भूस्खलन के मलबे पर बनाया गया है। 1971 में कुछ घरों ने दरारों की सूचना दी थी जिससे एक रिपोर्ट मिली जिसमें कुछ उपायों की सिफारिश की गई थी। जिसमें मौजूदा पेड़ों के संरक्षण और अधिक पेड़ों के रोपण के साथ-साथ उन शिलाखंडों का संरक्षण भी शामिल है जिन पर शहर बना है। हालांकि ऐसे दावे हैं कि इन उपायों को कभी लागू नहीं किया गया। इतना ही नहीं भूकम्प की दृष्टि से उत्तराखण्ड अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। इसका अधिकांश भाग हिमालयी भूभाग में स्थित होने के कारण यहां भूकम्प की आशंका प्रबल बनी रहती है। भूगर्भ विज्ञानियों के अनुसार हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं का निर्माण भारतीय भूखण्ड के यूरेशियाई भूखण्ड से टकराने के परिणाम से हुआ है। भूगर्भ विज्ञानी मानते हैं कि भारतीय भूखण्ड आज भी सतत रूप से उत्तर-पूर्व की दिशा में धीरे-धीरे खिसक रहा है जिस कारण हिमालय की चट्टानें दबाव की स्थिति में बनी हुई हैं।

चट्टानों में संचित यह ऊर्जा जब अवमुक्त होती है तो भूकम्प आता है। विगत दो शताब्दियों से 8.0 परिणाम से अधिक का भूकम्प इस क्षेत्र में नहीं आया है जिस कारण भूगर्भ में बड़ी मात्रा में संचित ऊर्जा अवमुक्त नहीं हो पायी है और इससे भविष्य में यहां भूकम्प की संवेदनशीलता अत्यधिक बढने की आशंका है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य अपनी पारिस्थितिकी के नुकसान के कारण अपरिवर्तनीय क्षय के चरण में प्रवेश कर रहे हैं और यहां भूस्खलन की लगातार घटनाएं अपरिहार्य बन सकती हैं। इस पहल से, हिन्दूकुश हिमालय क्षेत्र और इसकी पर्वत श्रृंखला में स्थित इन पांचों देशों के अलावा चीन, म्यांमार एवं अफगानिस्तान में भी लोगों की आजीविका व कल्याण सकारात्मक रूप में प्रभावित होने की उम्मीद है।

ब्रीफ न्यूज

एसजेवीएन 700 करोड़ रुपये से लगाएगी 100 मेगावॉट की पवन ऊर्जा परियोजना

नई दिल्ली। बयान के मुताबिक, एसजेवीएन ने ई-रिवर्स नीलामी के जरिये निर्माण, स्वामित्व और संचालन के आधार पर 2.90 रुपये प्रति यूनिट की दर पर 100 मेगावॉट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना की क्षमता स्थापित करने का मौका हासिल किया है। इस परियोजना के विकास पर 700 करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एसजेवीएन ने शुक्रवार को 700 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 100 मेगावॉट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने की घोषणा की। एसजेवीएन ने एक बयान में कहा कि उसने भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) से ई-रिवर्स नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से यह परियोजना हासिल की है। बयान के मुताबिक, एसजेवीएन ने ई-रिवर्स नीलामी के जरिये निर्माण, स्वामित्व और संचालन के आधार पर 2.90 रुपये प्रति यूनिट की दर पर 100 मेगावॉट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना की क्षमता स्थापित करने का मौका हासिल किया है। इस परियोजना के विकास पर 700 करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। एसजेवीएन ने कहा कि इस परियोजना को उसकी पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एसजीईएल के जरिये देश में कहीं भी विकसित किया जाएगा। परियोजना के संचालन के पहले वर्ष में 26.2 करोड़ यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करने का अनुमान है और 25 साल की अवधि में इसका कुल ऊर्जा उत्पादन लगभग 657.4 करोड़ यूनिट होगा। एसजेवीएन के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नंद लाल शर्मा ने कहा कि यह परियोजना एसईसीआई के साथ बिजली बिक्री समझौते (पीएसए) पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 24 महीने की अवधि में चालू हो जाएगी।

गूगल ने एंड्रॉयड पर प्रतिस्पर्धा आयोग के फैसले को एनसीएलएटी में दी चुनौती

नई दिल्ली। गूगल के प्रवक्ता ने पीटीआई-से कहा, ''हमने एंड्रॉयड पर सीसीआई के फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्णय लिया है। हमारा मानना है कि यह फैसला उन भारतीय प्रयोगकर्ताओं, कंपनियों के लिए बड़ा झटका है जिन्हें एंड्रॉयड की सुरक्षा खूबियों पर भरोसा है। इससे मोबाइल उपकरणों की लागत संभावित रूप से बढ़ जाएगी।'' दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने एंड्रॉयड मोबाइल उपकरण पारिस्थितिकी तंत्र के मामले में अनुचित व्यापार व्यवहार के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में अपील की है। कंपनी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गूगल के प्रवक्ता ने पीटीआई-से कहा, ''हमने एंड्रॉयड पर सीसीआई के फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्णय लिया है। हमारा मानना है कि यह फैसला उन भारतीय प्रयोगकर्ताओं, कंपनियों के लिए बड़ा झटका है जिन्हें एंड्रॉयड की सुरक्षा खूबियों पर भरोसा है। इससे मोबाइल उपकरणों की लागत संभावित रूप से बढ़ जाएगी।'' प्रतिस्पर्धा आयोग ने अपने फैसले में एंड्रॉयड मोबाइल उपकरणों के मामले में कई बाजारों में अपनी दबदबे की स्थिति का फायदा उठाने के लिए गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का भारी जुर्माना लगाया था। इसके साथ ही सीसीआई ने इंटरनेट क्षेत्र की कंपनी को कई तरह के अनुचित व्यापार व्यवहार से बचने को कहा था। इस पर गूगल के प्रवक्ता ने कहा, हम एनसीएलएटी में अपनी बात रखेंगे। इसके साथ ही हम अपने प्रयोगकर्ताओं तथा भागीदारों के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी ने कहा कि एंड्रॉयड ने भारतीय प्रयोगकर्ताओं, डेवलपर्स और ओईएम को लाभ दिया है और इसने देश के डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाया है। सूत्रों ने कहा कि गूगल ने एनसीएलएटी से आयोग के आदेश पर रोक लगाने की अपील की है। गूगल का मानना है कि सीसीआई इस बात पर गौर करने में विफल रहा कि मुक्त एंड्रॉयड कारोबारी मॉडल सभी अंशधारकों के लाभ के लिए प्रतिस्पर्धा का समर्थन करता है, खासकर भारत के मामले में। सूत्रों के मुताबिक, गूगल को भरोसा है कि एनसीएलएटी इस मामले में मौजूद प्रमाणों पर गौर करेगा कि एंड्रॉयड ने भारत में मोबाइल पारिस्थितिकी तंत्र की भारी वृद्धि और समृद्धि में योगदान दिया है।

बिलेनियर लिस्ट : गौतम अडानी ने 24 घंटे में ही पलट दी बाजी जेफ बेजोस को पछाड़ फिर से हासिल किया टॉप-3 का पोजीशन

एनटीवी न्यूज

24 घंटे तक भी इस स्थिति को बरकरार नहीं रख सके और गौतम अडानी ने लंबी छलांग लगाकर फिर से तीसरे स्थान पर कब्जा कर लिया है।

दुनिया के शीर्ष 10 अरबपतियों की सूची में 12 जनवरी को बड़ा बदलाव देखा गया। अमेजन के सह-संस्थापक जेफ बेजोस ने जब भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी को पीछे छोड़ा तो वे दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। हालांकि, वह 24 घंटे तक भी इस स्थिति को बरकरार नहीं रख सके और गौतम अडानी ने लंबी छलांग लगाकर फिर से तीसरे स्थान पर कब्जा कर लिया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, गौतम अडानी के शेयरों में गिरावट के कारण उनकी नेटवर्थ गिरकर 118 बिलियन डॉलर हो गई।

इस दौरान अमेज़न के जेफ बेजोस की संपत्ति में जबरदस्त 5.23 बिलियन डॉलर की वृद्धि हुई और शीर्ष अरबपतियों की सूची बदल गई। सिर्फ दशमलव के बाद संख्या में अंतर के साथ बेजोस अडानी को पीछे छोड़कर दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। पिछले 24 घंटों के भीतर, भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी की संपत्ति में वृद्धि हुई और इसके साथ ही उनकी कुल संपत्ति बढ़कर 119 अरब डॉलर हो गई। इस आंकड़े के साथ अडानी ग्रुप के चेयरमैन एक बार फिर अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर आ गए हैं, जबकि बेजोस 118 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ फिर से चौथे स्थान पर खिसक गए हैं।

आपको बता दें कि दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में फ्रांस के बिजनेसमैन बर्नार्ड अर्नाल्ट 182 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ पहले नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 20 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। दूसरे शब्दों में, उन्होंने एक दिन में लगभग दो अरब डॉलर कमाए। टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्विटर के मालिक एलोन मस्क 132 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

इस बीच फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट (Bernard Arnault) दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले स्थान पर बने हुए हैं। उनकी नेटवर्थ 184 अरब डॉलर है। इस साल इसमें 21.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क (Elon Musk) इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ अब 132 अरब डॉलर रह गई है। नवंबर 2021 में उनकी नेटवर्थ 340 अरब डॉलर पहुंच गई थी लेकिन उसके बाद इसमें 200 अरब डॉलर से अधिक की गिरावट आई है। इस लिस्ट में वॉरेन बफे पांचवें, बिल गेट्स छठे, लैरी एलिसन सातवें, स्टीव बामर नौवें और लैरी पेज दसवें नंबर पर हैं।

कौन हैं पटना की वो लेडी, जिसपर लट्टू हो गए शार्क्स, जुटा लिए 6.25 करोड़

पटना, बिहार की रहने वाली ज्योति भारद्वाज जब शार्क टैंक इंडिया के शो में पहुंचीं तो उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनके बिजनस में पैसा लगाने से लिए शो के जज आपस में ही भिड़ जाएंगे। शार्क्स को उनका बिजनस मॉडल इतना पसंद आया कि चारों ने उन्हें एक से बढ़कर एक ऑफर दे दिया।

नई दिल्ली: इन दिनों टीवी पर आने वाले बिजनेस रियलिटी शो शार्क टैंक इंडिया (Shark Tank India Season 2) खूब धूम मचा रहा है। इस शो में स्टार्टअप एंटरप्रेन्योर (Entrepreneur) अपनी कंपनी के लिए फंड जुटाने के लिए शार्क्स के सामने पिच करते हैं। शो के जज अगर उस पिच से खुश होते हैं तो उनके बिजनस में अपना पैसा लगाते हैं। इसके बदले में वो उनसे इक्विटी लेते हैं। इस शो में बिहार के पटना की रहने वाली ज्योति भारद्वाज (Jyoti Bhardwaj) भी पहुंचीं। उनका बिजनस मॉडल शो के शार्क्स को इतना पसंद आया कि उसमें पैसा लगाने के लिए वो आपस में भिड़ गए।

कौन है पटना की ज्योति

बिहार, पटना की रहने वाली ज्योति भारद्वाज टीफिट (TeaFit) नाम की कंपनी चलाती हैं। इन दिनों वो में मुंबई में रहती हैं और अपने स्टार्टअप को बड़ा करने में जुटी हैं। उन्होंन शुगरफ्री प्रोडक्ट टीफिट को साल 2021 में शुरू किया था। उनकी सास ने इस बिजनस के लिए पहला अमाउंट इंवेस्ट किया था। वो अपनी बहू को सपोर्ट करती हैं, ताकि वो और आगे बढ़ सके। शो में भी वो ज्योति के साथ आई थीं। इस बिजनस को बड़ा बनाने के लिए अब ज्योति और फंड चाहती हैं। इसी के कारण उन्होंने शार्क टैंक इंडिया में शिरकत की। शार्क टैंक में उनका पिच बेहद अनोखा और अलग था।

बच्चों के मम्मी के लिए किया पिच

इस शो में वो अपने 5 साल और 8 साल के बेटे के साथ पहुंची थीं। टीफिट की फाउंडर ज्योति के लिए उनके बच्चों ने शो में पिच किया। बच्चों के मुंह से प्रोजक्ट्स की खासियत सुनकर शो के जज काफी इंप्रेस हुए। ज्योति अपने बिजनेस के लिए शार्क्स से 50 लाख की फंडिंग चाहती थीं। उन्होंने बताया कि कैसे वो अपना कारोबार चलाती हैं। अपना बिजनस मॉड्यूल समझाते हुए उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी अभी दो साल पुरानी ही है। अब तक वो 20 हजार लोगों को अपना प्रोडक्ट्स बेच चुकी हैं। उनकी सेल 75 फीसदी ऑनलाइन और 25 फीसदी ऑफलाइन है।

बना दी मुनाफा देने वाली कंपनी

ज्योति ने शार्क्स के सामने अपने स्टार्टअप के नंबर बताए। उन्होंने बताया कि टीफिट ने साल 2021-22 में 15 लाख की सेल की और 78 हजार रुपये का नेट प्रॉफिट बनाया। साल 2022-23 में उन्होंने 45-50 लाख की सेल की। उन्होंने शार्क्स से 50 लाख रुपये 3% एक्वटी पर मांगी। उनके बिजनेस मॉडल से शार्क्स इतने इंप्रेस हुए कि चारों ने ऑफर दे दिया। शो के शार्क अनुपम मित्तल और विनीता ने 50 लाख रुपये के लिए 25 फीसदी इक्विटी मांगी, जबकि पीयूष बंसल ने इसी रकम के लिए 20 फीसदी मांगी। बोट के को फाउंटर अमन गुप्ता ने 10% एक्वटी का ऑफर दिया। सभी शार्क्स इस बिजनेस में पैसा लगाने के लिए भिड़ गए। आखिरी में 8% एक्वटी पर यह डील डन हुई। शो के चारों जजों ने TeaFit में निवेश किया। कंपनी की कुल वैल्यू 6.25 करोड़ पर पहुंच गई।

वित्त मंत्रालय ने बैंकों से बीमा पॉलिसियां बेचने के लिए अनैतिक तरीकों से बचने को कहा

नई दिल्ली। *सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चेयरमैन और प्रबंध निदेशकों को लिखे पत्र में कहा गया है कि वित्तीय सेवा विभाग को शिकायतें मिली हैं कि बैंक और जीवन बीमा कंपनियों द्वारा बैंक ग्राहकों को पॉलिसी की बिक्री के लिए धोखाधड़ी वाले और अनैतिक तरीके अपनाए जा रहे हैं।*

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों को ग्राहकों को बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए 'अनैतिक व्यवहार' पर रोक लगाने के लिए एक मजबूत तंत्र स्थापित करने का निर्देश दिया है। लगातार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं कि ग्राहकों को बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए सही जानकारी नहीं दी जाती है। इसके मद्देनजर वित्त मंत्रालय ने यह कदम उठाया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चेयरमैन और प्रबंध निदेशकों को लिखे पत्र में कहा गया है कि वित्तीय सेवा विभाग को शिकायतें मिली हैं कि बैंक और जीवन बीमा कंपनियों द्वारा बैंक ग्राहकों को पॉलिसी की बिक्री के लिए धोखाधड़ी वाले और अनैतिक तरीके अपनाए जा रहे हैं। ऐसे उदाहरण भी सामने आए हैं, जहां दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में 75 वर्ष से अधिक आयु के ग्राहकों को जीवन बीमा पॉलिसी बेची गई है। आमतौर पर, बैंकों की शाखाएं अपनी अनुषंगी बीमा कंपनियों के उत्पादों का प्रचार-प्रसार करती हैं।

जब ग्राहकों द्वारा पॉलिसी लेने से इनकार किया जाता है, तो शाखा अधिकारी बड़ी शिद्दत से समझाते कि उनपर ऊपर से दबाव है। जब ग्राहक किसी प्रकार का ऋण लेने या सावधि जमा खरीदने जाते हैं, तो उन्हें बीमा उत्पाद लेने को कहा जाता है। इस संबंध में विभाग ने पहले ही एक परिपत्र जारी किया है जिसमें यह सलाह दी गई है कि किसी बैंक को किसी विशेष कंपनी से बीमा लेने के लिए ग्राहकों को मजबूर नहीं करना चाहिए। यह भी बताया गया है कि केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने आपत्ति जताई है कि बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए प्रोत्साहन से न केवल फील्ड कर्मचारियों पर दबाव पड़ता है बल्कि बैंकों का मूल कारोबार भी प्रभावित होता है। ऐसे में कर्मचारियों को कमीशन और प्रोत्साहन के लालच की वजह से कर्ज की गुणवत्ता से 'समझौता' हो सकता है।

वर्ष 2022 में रुपया डॉलर के मुकाबले 11 फीसदी गिरा, 2013 के बाद सबसे बुरा प्रदर्शन

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2021 के अंत में 74.29 के स्तर पर रहा था लेकिन वर्ष 2022 के अंत में यह 82.61 के भाव पर आ गया। समीक्षाधीन वर्ष में अमेरिकी मुद्रा 2015 के बाद से किसी साल के मुकाबले सबसे अधिक मजबूत हुई। हालांकि, भारतीय मुद्रा ने तुर्की की लीरा और ब्रिटिश पाउंड जैसी कुछ अन्य वैश्विक मुद्राओं की तुलना में कहीं बेहतर प्रदर्शन किया।

नयी दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आक्रामक मौद्रिक नीति ने वर्ष 2022 में पूरे साल लगातार डॉलर को मजबूत किया जिससे भारतीय रुपये का भाव अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इस साल 11 प्रतिशत से अधिक गिर गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2021 के अंत में 74.29 के स्तर पर रहा था लेकिन वर्ष 2022 के अंत में यह 82.61 के भाव पर आ गया। समीक्षाधीन वर्ष में अमेरिकी मुद्रा 2015 के बाद से किसी साल के मुकाबले सबसे अधिक मजबूत हुई। हालांकि, भारतीय मुद्रा ने तुर्की की लीरा और ब्रिटिश पाउंड जैसी कुछ अन्य वैश्विक मुद्राओं की तुलना में कहीं बेहतर प्रदर्शन किया।

विदेशी मुद्रा बाजार में अस्थिरता, यूक्रेन पर रूस के हमले, वैश्विक तेल कीमतों में तेजी के कारण रिजर्व बैंक को रुपये की गिरावट थामने के लिए आगे आना पडा। डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में तेज गिरावट के चलते आयातित मुद्रास्फीति नीति निर्माताओं के लिए एक चुनौती बन गई। वर्ष के दौरान मुद्रा बाजार में अस्थिरता फरवरी में रूस-यूक्रेन युद्ध के असर से शुरू हुई। इसने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर दिया, जिससे दुनिया भर में मुद्रास्फीति बढ़ गई। आक्रामक अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए दरों में वृद्धि शुरू कर दी। ऐसे में डॉलर एक सुरक्षित मुद्रा बन गई, जिससे दूसरे देशों से भारी मात्रा में निकासी हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भी रुपये पर दबाव रहा। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दर में आक्रामक वृद्धि करने से विदेशी निवेशकों ने 2022 में भारतीय इक्विटी बाजारों से 1.22 लाख करोड़ रुपये और ऋण बाजारों से 17,000 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध निकासी की। हालांकि, आरबीआई ने गिरते रुपये को सहारा देने के लिए सौ अरब डॉलर से अधिक खर्च किए, लेकिन फिर भी यह डॉलर के मुकाबले 83 के मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब चला गया। नए साल में रुपये के अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व आने वाले वर्ष में दरों में बढ़ोतरी की तीव्रता को कम करेगा। इसके अलावा, वैश्विक निवेशकों का भारतीय बाजारों में भरोसा नहीं टूटा है और एफआईआई प्रवाह में सुधार शुरू हो गया है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में गिरावट, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद के चलते उम्मीद है कि रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कुछ मजबूती हासिल करेगा।

सरसों के बीजों से गुलामी का कैसा कनेक्शन, एक्सपर्ट बता रहे पेटेंट का 'खेल'

जीएम सरसों यानी जेनेटिकली मॉडिफाइड सरसों पर विवाद बढ़ गया है। कई लोग इसके पक्ष में हैं तो कई इसके विरोध में खड़े हुए हैं। बीते दिनों भारत के बायो-टेक रेग्युलेटर ने जेनेटिकली मॉडिफाइड सरसों के बीज उत्पादन और परीक्षण के लिए पर्यावरणीय मंजूरी दे दी थी।

नई दिल्ली: पिछले साल भारत के बायो-टेक रेग्युलेटर ने जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) सरसों के बीज उत्पादन और परीक्षण के लिए पर्यावरणीय मंजूरी दे दी थी। यह इसके कमर्शियल इस्तेमाल से पहले का कदम था। जेनेटिकली इंजीनियरिंग अप्रेजल कमिटी (GEAC) का यह फैसला काफी अहम माना जा रहा है। हालांकि कई संगठन ऐसे हैं जो जीएम सरसों (genetically modified mustard) की खेती का विरोध कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कई संगठन इसका समर्थन कर रहे हैं। हालांकि इसकी खेती किसान शुरू कर सकें इसमें अभी कम से कम दो साल का समय लगेगा। आइए आपको बताते हैं आखिर जीएम सरसों क्या और इसका विरोध क्यों हो रहा है।

क्या है मामला

सरसों देश की प्रमुख फसलों में से एक है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 6 से लेकर 7 मिलियन हेक्टेयर में सरसों की खेती होती है। इसके प्रमुख उत्पादक राज्यों में राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा शामिल हैं। वैसे तो सरसों की चर्चा तेल की महंगाई को लेकर होती रहती है। लेकिन इस बार चर्चा सरसों के नए तरह के बीजों को लेकर है, जिन्हें जीएम बीज कहा जा रहा है। जीएम सरसों का मुददा सड़क से लेकर संसद तक उठ चुका है। कृषि जानकार और पर्यावरण प्रेमी इसका विरोध कर रहे हैं। वहीं सरकार का दावा है कि इससे उत्पादन बढ़ेगा। हालांकि विरोध करने वाले सरकार के इन दावों को नकार रहे हैं। इस मामले में सरसों संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. धीरज सिंह के मुताबिक, देश को जीएम सरसों की जरूरत नहीं है। दुनिया का 67% बीज का बिजनेस 3-4 कंपनियों के ही पास है। उन्हीं के जीन, उन्हीं के पेटेंट हैं। उनके मुताबिक, किसी देश को गुलाम बनाना हो तो उसकी बीज व्यवस्था को कब्जे में कर लो, देश अपने आप देश गुलाम हो जाएगा। कोई बम छोड़ने की भी जरूरत नहीं है।₹

जानिए क्या है जीएम सरसों

जीएम यानी जेनेक्टली मॉडिफाई सरसों डीएमएच धारा 11 को भारतीय सरसों की किस्म वरुणा और पूर्वी यूरोप की किस्म अर्ली हीरा 2 के साथ क्रॉसिंग करके तैयार किया गया है। इसमें तीन तरह के जीन का इस्तेमाल किया गया है। इस प्रोजेक्ट की फंडिंग बायोटेक्नॉलजी विभाग और नैशनल डेयरी डिवेलपमेंट बोर्ड ने की थी। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) की देखरेख में किए गए ट्रायल के मुताबिक वरुण के मुकाबले इसकी पैदावार 28 फीसदी ज्यादा है। हालांकि देश में अब तक जीएम सरसों के बीज उपलब्ध नहीं हैं। अभी केंद्र सरकार ने पर्यावरण मंत्रालय की कमेटी की सिफारिश को स्वीकार भी नहीं किया है। मंजूरी मिलने के बाद ही किसानों के खेतों तक जीएम सरसों के पहुंचने का रास्ता खुलेगा।

क्या हैं फायदे

इसका पक्ष लेने वालों का कहना है कि अभी देश में बीटी कॉटन ही एकमात्र ट्रांसजेनिक फसल है, जिसकी भारत में व्यावसायिक खेती की जा रही है। ऐसा कोई सबूत नहीं है जिसके आधार पर माना जा सके कि इस प्रजाति की पिछले दो दशकों से हो रही खेती का जमीन पर या उस इलाके की संपूर्ण जैव विविधता पर किसी भी तरह का नकारात्मक असर पड़ा है। देश में विकसित ट्रांसजेनिक हाइब्रिड मस्टर्ड (डीएमएच-11) से ऑयल सीड की पैदावार बढ़ने की उम्मीद है। इसे अतिरिक्त पानी, खाद या कीटनाशकों की जरूरत नहीं होती। इसका मतलब यह हुआ कि किसानों को कम खर्च में ही बेहतर फसल मिलने लगेगी। इससे देश में खाद्य तेलों के आयात पर होने वाला खर्च कम करने का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। पिछले वित्तीय वर्ष में भारत को करीब 19 अरब डॉलर का खाद्य तेल आयात करना पड़ा था।

नितिन गडकरी को मिली जान से मारने की धमकी, दो बार आ चुका फोन, जांच में जुटी पुलिस

एनटीवी न्यूज

दावा किया जा रहा है कि नितिन गडकरी से 100 करोड़ रुपए की मांग की गई है। नहीं देने की स्थिति में उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी के बाद नागपुर पुलिस ने नितिन गडकरी के कार्यालय और घर की सुरक्षा बढ़ा दी है। हर जगह अतिरिक्त जवानों की तैनाती भी कर दी गई है।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को जान से मारने की धमकी मिली है। जानकारी के मुताबिक नितिन गडकरी को दो बार धमकी भरा फोन आ चुका है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक धमकी भरा फोन नागपुर स्थित जनसंपर्क कार्यालय में आया है। इसके बाद सीधे पुलिस कार्यालय को सूचना दी गई है। दावा किया जा रहा है कि नितिन गडकरी से 100 करोड़ रुपए की मांग की गई है। नहीं देने की स्थिति में उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी के बाद नागपुर पुलिस ने नितिन गडकरी के कार्यालय और घर की सुरक्षा बढ़ा दी है। हर जगह अतिरिक्त जवानों की तैनाती भी कर दी गई है।

नितिन गडकरी के घर और कार्यालय के आसपास के मूवमेंट पर पैनी नजर भी रखी जा रही है। जानकारी के मुताबिक 14 जनवरी को 11:30 से 12:30 के बीच नितिन गडकरी के जनसंपर्क कार्यालय में दो बार कॉल आया है। इसमें फिरौती की मांग की गई है। साथ में ही दाऊद का भी नाम लिया गया है। पुलिस फिलहाल इस मामले की छानबीन में जुट गई है।

भारतीय मुस्लमानों को भड़काने के लिए जिहादी साहित्य हिंदी में करना था अनुवाद, जेएमबी के आतंकी की चार्जशीट से हुए चौंकाने वाले खुलासे

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश में पिछले साल अप्रैल में दर्ज जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश मामले में एक ताजा चार्जशीट में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एनआईए ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन के एक बिहार स्थित ऑपरेटिव रजिहादी साहित्य का उर्दू/अरबी से हिंदी में अनुवादर किया और प्रभावशाली मुसलमानों के बीच इसे प्रसारित करने के लिए इसे सोशल मीडिया समूहों पर अपलोड किया। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के निवासी अली असगर उर्फ अब्दुल्ला बिहारी उर्फ उमैर, जिसका नाम पूरक आरोप पत्र में दर्ज है, भारतीय उपमहाद्वीप में जेएमबी और अल कायदा जैसे विभिन्न अभियुक्त आतंकवादी संगठनों की विचारधारा से गहराई से प्रभावित था। चार्जशीट में भारत में अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाने का इरादा है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने प्रतिबंधित संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेबीएम) की आतंकी गतिविधियों में शामिल एक आरोपी के खिलाफ शुक्रवार को पूरक आरोप पत्र दाखिल किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि मध्य प्रदेश में भोपाल की एक विशेष अदालत में अली असगर उर्फ अब्दुल्ला बिहारी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया गया। आरोपी बिहार का रहने वाला है। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के 10 सक्रिय सदस्यों को अब तक गिरफ्तार किया गया है, जिनमें बांग्लादेश के छह अवैध प्रवासी शामिल हैं। यह गिरफ्तारी भोपाल के एसटीएफ पुलिस स्टेशन में पिछले साल 14 मार्च को दर्ज मामले में की गई है।

मनीष सिसौदिया ने CBI पर लगाया रेड का आरोप, बोले- मेरे खिलाफ कुछ ना मिला है ना मिलेगा

एनटीवी न्यूज

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि मेरे ख़िलाफ़ न कुछ मिला हैं न मिलेगा क्योंकि मैंने कुछ ग़लत किया ही नहीं है। ईमानदारी से दिल्ली के बच्चों की शिक्षा के लिए काम किया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगा दिया है। उन्होंने कहा है कि आज मेरे दफ्तर में सीबीआई की टीम पहुंची है। उन्होंने साफ तौर पर सीबीआई पर रेड का आरोप लगा दिया। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने मेरे दफ्तर और घर में छापा मारा है। इसको लेकर सिसोदिया ने एक ट्वीट भी किया है। अपने ट्वीट में सिसोदिया ने लिखा कि आज फिर CBI मेरे दफ़्तर पहुँची है। उनका स्वागत है। उन्होंने आगे कहा कि इन्होंने मेरे घर पर रेड कराई, दफ़्तर में छापा मारा, लॉकर तलशे, मेरे गाँव तक में छानबीन करा ली।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि मेरे ख़िलाफ़ न कुछ मिला हैं न मिलेगा क्योंकि मैंने कुछ ग़लत किया ही नहीं है। ईमानदारी से दिल्ली के बच्चों की शिक्षा के लिए काम किया है। आपको बता दें कि दिल्ली में आबकारी मामले को लेकर मनीष सिसोदिया लगातार सवालों के घेरे में हैं। इससे पहले मनीष सिसोदिया से सीबीआई पूछताछ भी कर चुकी है। दिल्ली आबकारी नीति को लेकर फिलहाल सीबीआई जांच चल रही है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

इनसाइड

विदेश मंत्री एस जयशंकर की दो टूक, एलएसी पर एकतरफा बदलाव की कोशिश से नहीं होंगे सहमत

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर एकतरफा बदलाव किए जाने की किसी भी कोशिश से भारत सहमत नहीं होगा। उन्होंने रेखांकित किया कि नई दिल्ली के बीजिंग के साथ संबंध 'सामान्य नहीं' हैं और मुख्य मुद्दों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जयशंकर ने भू-मध्यसागरीय देश की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान साइप्रस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए यह भी कहा कि भारत को बातचीत की मेज पर लाने के लिए आतंकवाद को उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। जयशंकर ने कहा कि भारत के सामने अपनी सीमाओं पर चुनौतियां हैं, जो कोविड काल के दौरान तीव्र हो गईं। उन्होंने कहा कि एक इंच जमीन पर भी कब्जा कर पाए।

आज चीन के साथ हमारे संबंधों की स्थिति बहुत सामान्य नहीं है, क्योंकि हम वास्तविक नियंत्रण रेखा को एकतरफा बदलने के किसी भी प्रयास के लिए कभी सहमत नहीं होंगे। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मूल मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जयशंकर ने अपने भाषण में कहा कि कोई भी देश आतंकवाद से भारत जितना पीड़ित नहीं है। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा कि हम सभी के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध चाहते हैं, लेकिन अच्छे पड़ोसी संबंधों का मतलब यह नहीं है कि आतंकवाद के मुद्दे को दरकिनार कर दिया जाए। हम बहुत स्पष्ट हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत को बातचीत की मेज पर लाने के लिए आतंकवाद को औजार के रूप में इस्तेमाल नहीं करने दिया जा सकता। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध कश्मीर मुद्दे और पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद को लेकर तनावपूर्ण रहे हैं।

भारत पहुंचा खतरनाक वैरिएंट; अमरीका और ग्रेट ब्रिटेन में तबाही मचा रहे एक्सबीबी.1.5 वैरिएंट की पुष्टि

नईदिल्ली। चीन में कोरोना का बीएफ.7 वैरिएंट तबाही मचा रहा है। छोटे से छोटे शहर में लाखों की संख्या में कोरोना के केस सामने आ रहे हैं। उधर, दुनिया के शक्तिशाली देशों अमरीका और ग्रेट ब्रिटेन में ओमिक्रॉन का एक्सबीबी.1.5 वैरिएंट तबाही मचा रहा है। भारत में भी इस 'सुपर' वैरिएंट की दस्तक हो चुकी है। गुजरात में इसका पहला केस सामने आया है। उधर, यूएस सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के डेटा ने पुष्टि की है कि संयुक्त राज्य अमरीका में 40 फीसदी से अधिक केस एक्सबीबी.1.5 वैरिएंट के हैं। ब्रिटेन में भी इस नए वैरिएंट के काफी केस सामने आ रहे हैं। एक्सपटूस का कहना है कि दुनिया इस वक्त कोरोना के सबसे अधिक संक्रामक वैरिएंट का सामना कर रही है। कोरोना का अब तक का सबसे अधिक संक्रामक वैरिएंट नए साल से दुनिया में तबाही मचाने को तैयार हैं। भारत में इस वैरिएंट की दस्तक हो चुकी है। गुजरात में पहला केस मिला है। विशेषज्ञों का कहना है कि कैंसर से ग्रसित लोगों में इस बीमारी का सबसे अधिक खतरा है। एक्सपटूस का कहना है कि एक्सबीबी.1.5 वैरिएंट कोरोना के अन्य वैरिएंट से 120 गुना ज्यादा संक्रामक है। दुनिया के शीर्ष वायरोलॉजिस्ट्स में से एक एरिक फेगल डिंग ने एक्सबीबी.1.5 को एक 'सुपर वैरिएंट' की संज्ञा दी है। एक्सबीबी.1.5 वैरिएंट पूरी तरह से ओमिक्रॉन का एक रूप नहीं है। बल्कि इसमें कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन वैरिएंट का मिश्रण है। यह वैरिएंट बीए.2.10.1 और बीए.2.75 से मिलकर बना हुआ है। यह बीक्यू.1 और एक्सबीबी की तुलना में अधिक संक्रमण है। डेटा के अनुसार, एक्सबीबी.1.5 बीक्यू.1 से 120 फीसदी और एक्सबीबी से 96 गुना अधिक संक्रामक है। एक्सबीबी.1.5 वैरिएंट ने अमरीका और ब्रिटेन की सरकारों की नींद उड़ा दी है। यहां एक बार फिर कोरोना अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। कोरोना के 40 फीसदी केस एक्सबीबी.1.5 वैरिएंट के हैं। यूके में भी एक्सबीबी.1.5 वैरिएंट तेजी से फैल रहा है।

दुनिया के 34 देशों में फैला

यह भारत के अलावा दुनिया के 34 अन्य देशों में फैल चुका है। यह वैरिएंट ओमिक्रोन परिवार के सभी वैरिएंट की तुलना में सबसे खतरनाक है। भारत में इसके अलावा बीएफ.7 के मामले गुजरात और ओडिशा में मिले हैं।

शिक्षा मंत्री के बयान पर बवाल, JDU ने भी खोला मोर्चा, ललन सिंह बोले- हम सभी धर्मों का करते हैं सम्मान

एनटीवी संवाददाता

दयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि जदयू सभी धर्म का सम्मान करती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि चंद्रशेखर के इस बयान पर राजद को संज्ञान लेना चाहिए। कहीं ना कहीं अपने बयान पर चंद्रशेखर अकेले पड़ते दिखाई दे रहे हैं।

रामचरितमानस को लेकर बिहार के शिक्षा मंत्री डॉ चंद्रशेखर के बयान पर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। विवादित बयान को लेकर बिहार की राजनीति गर्म हो गई है। डॉ चंद्रशेखर राजद कोटे से नीतीश सरकार में मंत्री हैं। लेकिन नीतीश कुमार की पार्टी जदयू भी अब चंद्रशेखर के खिलाफ दिखाई दे रही है। जदयू के कार्यकर्ताओं ने भी अब शिक्षा मंत्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जदयू कार्यकर्ता जगह-जगह रामचरितमानस का पाठ कर रहे हैं। इन सबके बीच जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि जदयू सभी धर्म का सम्मान करती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि चंद्रशेखर के इस बयान पर राजद को संज्ञान लेना चाहिए। कहीं ना कहीं अपने बयान पर चंद्रशेखर अकेले पड़ते दिखाई दे रहे हैं।

वहीं, भाजपा नेता अश्विनी कुमार चौबे ने रामचरितमानस पर राज्य के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर की टिप्पणी का जवाब देने के लिए रामचरितमानस का पाठ किया। भाजपा लगातार शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग कर रही है। भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि श्रीराम मंदिर के विरुद्ध जगदानंद

की दुराग्रही टिप्पणी के दो दिन बाद उनकी पार्टी के शिक्षा मंत्री प्रोसेसर चंद्रशेखर के श्रीरामचरित मानस की निंदा करने से साफ कि लालू प्रसाद के नेतृत्व वाला राजद एक हिंदू-विरोधी राजनीतिक संगठन है। उन्होंने कहा कि समाज के बहुसंख्यक वर्ग की आस्था पर चोट करने वाले बयान पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चुप्पी तोड़नी चाहिए और शिक्षा मंत्री के पद से तुरंत बर्खास्त करना चाहिए।

बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर की रामचरितमानस टिप्पणी पर विवाद पर जदयू के उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बयान से बीजेपी को सीधा फायदा होगा। उन्होंने जिस विषय पर बात की वह बीजेपी का एजेंडा है। बीजेपी के एजेंडे पर बोलने का मतलब उनकी पिच पर खेलना है। अगर हम वहां खेलते हैं, तो किसे फायदा होगा? उन्होंने कहा कि हमारा एजेंडा सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, विकास और इन सभी वर्षों में सीएम का काम है। राजद ने कहा कि वे चंद्रशेखर की टिप्पणी के साथ खड़े हैं। इसका क्या मतलब है? मामले का संज्ञान लिया जाना चाहिए, इसकी आवश्यकता है।

चंद्रशेखर ने बुधवार को नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 'रामचरितमानस' पर टिप्पणी की थी। बाद में पत्रकारों द्वारा चंद्रशेखर से उनके बयान के बारे में पूछे जाने पर वह अपनी बात पर अड़े रहे और कहा, ''मनु स्मृति, रामचरितमानस और 'बंच ऑफ थॉट्स' (आरएसएस विचारक एम.एस. गोलवलकर द्वारा लिखित) ने समाज में नफरत को बढ़ावा दिया है। यही कारण है कि इन (कार्यों) को दलितों और ओबीसी से विरोध का सामना करना पड़ रहा है।''

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम! भलस्वा डेयरी में रेड के बाद हैंड ग्रेनेड बरामद, दो संदिग्ध गिरफ्तार

एनटीवी संवाददाता

अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि आतंकी संगठनों के साथ उनके संदिग्ध संबंधों को लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भलस्वा डेयरी इलाके में उनके किराए के आवास से दो हथगोले बरामद किए हैं। पुलिस ने कहा कि उनके आवास पर मानव रक्त के निशान भी पाए गए हैं।

नयी दिल्ली। आतंक की जड़े दिल्ली में जाल बनाती जा रही थी। ऐसे में खुफिया एजेंसियों को इस बारे में जानकारी लगने के बाद पुलिस चौकन्नी हो गयी हैं और आतंक के जाल को कुतरने का काम शुरू कर दिया हैं। पुलिस पिछले कई दिनों से लगातार छापेमारी कर रही हैं। ताजा अपडेट के अनुसार पुलिन ने दिल्ली में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। आतंकवादी संगठनों से संबंध होने के संदेह में गिरफ्तार किए गए दो लोगों के भलस्वा डेरी इलाके स्थित किराए के मकान से दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने दो हथगोले बरामद किए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि आतंकी संगठनों के साथ उनके संदिग्ध संबंधों को लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भलस्वा डेयरी इलाके में उनके किराए के आवास से दो हथगोले बरामद किए हैं। पुलिस ने कहा कि उनके आवास पर मानव रक्त के निशान भी पाए गए हैं।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उनके आवास से मानव रक्त के निशान भी मिले हैं। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने आतंकवादी संगठनों से संबंधों और जघन्य अपराधों में शामिल होने के आरोप में जगजीत सिंह उर्फ जग्गा (29) और नौशाद को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा ने बताया कि आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

नलवा ने कहा, ''जांच के दौरान हुए खुलासों के बाद दोनों आरोपी पुलिस दल को भलस्वा डेरी स्थित श्रद्धानंद कॉलोनी में अपने किराए के मकान में लेकर गए, जहां से दो हथगोले बरामद किए गए।'' उन्होंने कहा, ''एफएसएल (फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला) दल को मानव रक्त के निशान भी मिले हैं।''

पुलिस ने बताया था कि आरोपियों के पास से तीन पिस्तौल और 22 कारतूस बरामद किए गए थे। इसने कहा था कि जग्गा के कनाडा में रह रहे एक खालिस्तानी आतंकवादी से संबंध होने का संदेह है। पुलिस ने बताया था कि नौशाद आतंकवादी संगठन 'हरकत उल-अंसार' से जुड़ा है। इसने कहा था कि जगजीत कुख्यात 'बंबीहा' गिरोह का सदस्य है और उसे विदेश में रहने वाले राष्ट्र-विरोधी तत्वों से निर्देश मिलते रहे हैं। पुलिस ने कहा था कि वह उत्तराखंड में हत्या के एक मामले में पैरोल पर रिहा होने के बाद फरार हो गया था।

राज्यपाल को मारने के लिए भेजेंगे आतंकी, DMK नेता के विवादित बयान पर बीजेपी बोली- गुंडा एक्ट में करें गिरफ्तार

शिवाजी कृष्णमूर्ति ने एक बैठक में कहा कि सीएम कह रहे हैं कि हमें राज्यपाल को डांटना नहीं है। अगर उन्होंने ठीक से भाषण पढ़ा होता तो मैं उनके चरणों में फूल रखकर हाथ जोड़कर उनका धन्यवाद करता। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और राज्यपाल आरएन रवि के बीच चल रहे विवाद के बीच डीएमके प्रवक्ता शिवाजी कृष्णमूर्ति के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। डीएमके प्रवक्ता ने कहा कि कि रहम एक आतंकवादी को तमिलनाडु के राज्यपाल को गोली मारने के लिए भेजेंगे। शिवाजी कृष्णमूर्ति ने एक बैठक में कहा कि सीएम कह रहे हैं कि हमें राज्यपाल को डांटना नहीं है। अगर उन्होंने ठीक से भाषण पढ़ा होता तो मैं उनके चरणों में फूल रखकर हाथ जोड़कर उनका धन्यवाद करता। लेकिन अगर वह अंबेडकर का नाम लेने से इनकार करते हैं तो क्या मुझे उन्हें चप्पल से मारने का अधिकार नहीं है? हम आपको गोली मारने और मारने के लिए एक आतंकवादी भेजेंगे। बीजेपी नेता नारायणन थिरुपति ने राज्यपाल आरएन रवि के खिलाफ टिप्पणी को लेकर डीएमके नेता शिवाजी कृष्णमूर्ति की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस को जांच करनी है कि डीएमके का आतंकवादी लिंक क्या है, क्योंकि उसने अपने भाषण में कहा है कि हम राज्यपाल को कश्मीर भेजेंगे और आतंकवादी को कश्मीर भेजेंगे। हमारा मतलब कौन? भाजपा नेता ने कहा कि न केवल शिवाजी कृष्णमूर्ति ने इतनी गंदी भाषा में बात की, मुझे लगता है कि ये चीजें सीएम एमके स्टालिन के कहने से की जा रही हैं, डीएमके प्रमुख की शह, पर वे बोल रहे हैं। उन्होंने डीएमके नेताओं शिवाजी कृष्णमूर्ति और आरएस भारती को गुंडा अधिनियम के तहत गिरफ्तार करने का आह्वान किया। अगर तमिलनाडु पुलिस की रीढ़ है, तो उन्हें इन दोनों- शिवाजी कृष्णमूर्ति और आरएस भारती को गिरफ्तार करना चाहिए। नारायणन थिरुपति ने कहा कि उन्हें गुंडा अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और एक साल के लिए जेल में डाल देना चाहिए।